epaper.dehatsandesh.com

3 छात्रों के भावनात्मक कल्याण पर जागरूकता कार्यक्रम

5 पहले एशेज टेस्ट में खेलने की संभावना कम: पैट कमिंस

8 आलू की खेती

मौसम जम्मू
न्यूनतम 21
अधिकतम 27

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-253 | जम्मू तवी, बुधवार 15 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

मुख्यमंत्री उमर ने कृषि में मूल्य-वृद्धि बढ़ाने का आह्वान किया, जम्मू-कश्मीर की औद्योगिक और पर्यटन क्षमता पर प्रकाश डाला

फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक को श्रीनगर में संबोधित किया

श्रीनगर, 14 अक्टूबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का कृषि क्षेत्र अपार संभावनाओं वाला है और इसमें व्यावसायिक अवसरों को पूरी तरह खोलने के लिए मूल्य-वृद्धि पर केंद्रित ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने यह बात भारतीय उद्योग परिसंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक को संबोधित करते हुए की, जो श्रीनगर में आयोजित हुई।

बैठक में फिक्की अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनंद गोयनका, महानिदेशक फिक्की ज्योति विज, पूर्व अध्यक्ष डॉ. ज्योत्सना सूरी, फिक्की जम्मू-कश्मीर परिषद अध्यक्ष मुश्ताक ए. बुरज़ा और राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद के सदस्य शामिल हुए। कृषि क्षेत्र की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अधिकांश उत्पाद बिना प्रसंस्करण या मूल्य-वृद्धि के कच्चे रूप में ही बाहर भेज दिए जाते हैं। डेयरी क्षेत्र का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की कुल डेयरी उत्पादन का केवल 4-5 प्रतिशत ही राज्य के भीतर संसाधित होता है, जबकि बाकी बिना प्रसंस्करण के बाजार में चला जाता है। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं को इस क्षेत्र में निवेश और विकास के लिए प्रोत्साहित किया। व्यापक आर्थिक परि.श्य का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल की प्राकृतिक आपदाओं और पहलगाम घटना के बाद पर्यटन में आई गिरावट के बावजूद प्रशासन सभी क्षेत्रों में सुधार के प्रति आशावादी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन भागीदारों के साथ मिलकर पर्यटकों को आकर्षित करने और इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने पर काम कर रही है। जम्मू-कश्मीर हमेशा देश का प्रमुख पर्यटन स्थल रहा है और हम इस विरासत को बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सतत और प्रतिस्पर्धी औद्योगिक विकास के लिए सरकार के फोकस वाले क्षेत्रों में कृषि, बागवानी, हस्तशिल्प, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, पैकेजिंग और सीमेंट शामिल किए। उन्होंने कहा कि दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के चार-लेन जैसे नए सड़क संपर्क परियोजनाएं लॉजिस्टिक्स और निवेश की संभावनाओं को बढ़ाएँगी। व्यापार सुगमता में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने फिक्की से जम्मू-कश्मीर को और अधिक निवेश-अनुकूल बनाने के लिए नीति सुधार पर सुझाव मांगे। उन्होंने कहा हम देश भर के सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं से सीखना चाहते हैं। सुधार उद्योग के फीडबैक द्वारा निर्देशित होंगे।'' मुख्यमंत्री ने कॉर्पोरेट क्षेत्र से युवाओं से जुड़े क्षेत्रों जैसे खेल ढाँचा, पुस्तकालय और कौशल उन्नयन में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से जम्मू-कश्मीर का समर्थन करने का आह्वान किया।

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को संदेश दिया कि हम भारतीय नागरिक के रक्त की हर बूँद का बदला लेंगे : एलजी

1965 के युद्ध में भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जम्मू 14 अक्टूबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भारत की 1965 के युद्ध में पाकिस्तान पर विजय की हीरक जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि दी और पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। यह कार्यक्रम वेस्टर्न कमांड और 26 इन्फैंट्री डिवीजन द्वारा जम्मू में आयोजित किया गया। पूर्व सैनिकों की भव्य रैली को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि 1965 के युद्ध में विजय और हालिया ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों के सैनिकों के साहस और बलिदान का परिणाम है, जिन्हें विश्व की सबसे मजबूत सेनाओं में गिना जाता है। उपराज्यपाल ने 1965 युद्ध के नायकों के बलिदान को याद किया और उन सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि सैनिकों का निवास, जो पाकिस्तान जैसे आतंकी देश के खिलाफ पहली रक्षा पंक्ति है, एक पवित्र भूमि है।

उन्होंने कहा, पूर्व सैनिकों के प्रति अटूट श्रद्धा मेरे नीतियों की मूल नींव है। व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए, यह भूमि तीर्थस्थल से कम नहीं है। हमारे पूर्व सैनिकों ने आर्थिक विकास, सामाजिक परिवर्तन और गौरवशाली भारत के पुनरुत्थान में अपार योगदान दिया है। उपराज्यपाल ने 26 इन्फैंट्री डिवीजन के ऑपरेशन सिंदूर में साहस और हाल की प्रा.तिक आपदाओं के दौरान लोगों की जान बचाने में सेना के नि:स्वार्थ कार्य को याद किया। ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह संदेश दिया कि हम भारतीय नागरिक के रक्त की हर बूँद का बदला लेंगे। कोई भी हमारे देश की ओर आँख उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता। उपराज्यपाल ने पूर्व सैनिकों से आह्वान किया कि वे अपने नेतृत्व कौशल और अनुशासन का उपयोग जारी सामुदायिक सेवाओं और नागरिक कार्रवाई कार्यक्रमों में करें। हमारे पूर्व सैनिक युवाओं के लिए आदर्श हैं। उन्हें युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करना चाहिए और उन्हें देशभक्ति, अनुशासन और नि:स्वार्थ सेवा के मूल्यों की शिक्षा देनी चाहिए।

उपराज्यपाल ने समाज के सभी वर्गों से आग्रह किया कि वे सुरक्षा बलों के वीरों के बलिदान और समर्पण का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हमारे पूर्व सैनिक और शहीदों के परिवार सम्मानजनक जीवन व्यतीत करें।

> **"कोई भी हमारे देश की ओर आँख उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता: एलजी सिन्हा**

उपराज्यपाल ने श्री माता वैष्णो देवी जी मंदिर में की पूजा-अर्चना

कटरा, 14 अक्टूबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज श्री माता वैष्णो देवी जी मंदिर में पूजा-अर्चना की उन्होंने जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में शांति, समृद्धि और सभी के कल्याण की प्रार्थना की।

खबर संक्षेप

दो कुख्यात ड्रग तस्करों पिता-पुत्र की लगभग 66 लाख रुपये की संपत्ति ज़ब्त

श्रीनगर, 14 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग ज़िले के बिजबिहाडा इलाके में दो कुख्यात ड्रग तस्करों पिता-पुत्र की लगभग 66 लाख रुपये की संपत्ति ज़ब्त की है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बिजबिहाडा पुलिस स्टेशन ने पहले ही तुलखान निवासी मोहम्मद सलीम डार उर्फ साहिब मट्टो पुत्र अब्दुल रशीद डार के खिलाफ अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्तता के आरोप में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के तहत एफआईआर संख्या 167/2025 दर्ज की थी। जाँच के दौरान यह भी पता चला कि उसके पिता अब्दुल रशीद डार पर पहले ही उसी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत एफआईआर संख्या 113/2025 दर्ज है। जांच से पता चला है कि दोनों ने अवैध मादक पदार्थों के व्यापार से प्राप्त धन से अचल संपत्तियाँ अर्जित की थीं जिसमें एक दो मंजिला आवासीय भवन और तुलखान गाँव में एक एक मंजिला व्यावसायिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स शामिल हैं ।कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए और ठोस सबूतों के आधार पर प्रवक्ता ने कहा कि दोनों संपत्तियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 68-ई और 68-एफ के तहत औपचारिक रूप से ज़ब्त और कुर्क कर लिया गया है। यह कार्रवाई जम्मू और कश्मीर पुलिस के मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ निरंतर अभियान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस मादक पदार्थ संबंधी अपराधों के प्रति अपनी शून्य सहनशीलता की नीति दोहराती है तथा समाज से इस बुराई को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्यसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और भारतीय जनता पार्टी के बीच सीधा मुकाबला है :मुख्यमंत्री

श्रीनगर, 14 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि राज्यसभा चुनाव नेशनल कॉन्फ्रेंस और भारतीय जनता पार्टी के बीच सीधा मुकाबला है। उन्होंने विपक्षी दलों से भगवा पार्टी के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया।

बारामूला में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन के चुनाव से दूर रहने के फैसले से भाजपा को ही फायदा होगा। उन्होंने कहा कि आप और मैं जानते हैं कि इससे किसे फायदा होगा। मैं दूसरों से भी अपील करता हूँ कि वे इससे दूर न रहें। यह नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। नेशनल कॉन्फ्रेंस को वोट न देने का मतलब भाजपा की मदद करना है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीडीपी और कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों से एकजुट रहने और भाजपा की हार सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक रूप से मतदान करने का आग्रह किया।

भारत-मंगोलिया की दोस्ती हुई और गहरी, प्रधानमंत्री मोदी ने 'आध्यात्मिक पड़ोसी' के साथ रिश्तों को बताया खास

नई दिल्ली ,14 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत आगमन पर गर्मजोशी से स्वागत किया। यह यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक मानी जा रही है, क्योंकि छह वर्षों के बाद कोई मंगोलियाई राष्ट्रपति भारत आए हैं। यह यात्रा उस समय हो रही है जब भारत और मंगोलिया अपने राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष और रणनीतिक साझेदारी के 10 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इस खास अवसर पर दोनों देशों ने एक संयुक्त डाक टिकट जारी किया, जो भारत-मंगोलिया की साझा विरासत, विविधता और गहरे सभ्यतागत संबंधों का प्रतीक है। इस मौके पर प्रधानमंत्री

मोदी ने अपने संबोधन में कहा, राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना का स्वागत करना मेरे लिए बहुत प्रसन्नता का विषय है। हमारी मुलाकात की शुरुआत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण से हुई। राष्ट्रपति ने अपनी स्वर्गीय माताजी के नाम एक वटवृक्ष लगाया है, जो आने वाली पीढ़ियों तक हमारी मित्रता और पर्यावरण के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक रहेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि दस साल पहले मंगोलिया की अपनी यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का रूप दिया था। उन्होंने कहा, पिछले एक दशक में हमारी साझेदारी के हर आयाम में नई गहराई और विस्तार आया है। रक्षा और सुरक्षा सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत और मंगोलिया के रिश्ते केवल राजनयिक संबंधों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह आध्यात्मिक और आत्मीय बंधन पर आधारित हैं।

मुख्य सचिव द्वारा मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी की प्रगति की समीक्षा

श्रीनगर, 14 अक्टूबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने केंद्र सरकार के यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड कार्यक्रम के समन्वित और समयबद्ध क्रियान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश के छाया क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क और 4जी कनेक्टिविटी का विस्तार करना है। उन्होंने यह बात एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए की, जिसमें जम्मू-कश्मीर के बिना कवरेज वाले क्षेत्रों में मोबाइल टावर लगने और नेटवर्क कवरेज की

स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव लोक निर्माण विभाग, आयुक्त सचिव वन विभाग, सचिव सूचना प्रौद्योगिकी, संभागीय आयुक्त कश्मीर, सचिव ग्रामीण विकास विभाग, बीएसएनएल के मुख्य महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने दोनों संभागीय आयुक्तों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक चिन्हित स्थल की प्रगति का साप्ताहिक मूल्यांकन करें। उन्होंने टावर निर्माण, बिजली की आपूर्ति और भूमि से जुड़े मुद्दों की गति पर कड़ी निगरानी रखने और हर टावर को जल्द से जल्द कार्यशील बनाने पर बल दिया। उन्होंने टावर लगाने और बिजली नेटवर्क बिछाने हेतु वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र की स्थिति की भी समीक्षा की और ऐसे मामलों के त्वरित समाधान के लिए अंतर-विभागीय समन्वय के निर्देश दिए।

नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम , दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर, 14 अक्टूबर। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के माछिल सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर मंगलवार को सेना ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी, जिसके बाद दो आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों ओर से कुछ देर तक गोलीबारी हुई, जिसमें दो घुसपैठिए मारे गए।

उन्होंने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया है कि कोई और घुसपैठिया सीमा पार न कर पाए।

श्रीनगर एनडीपीएस कोर्ट ने सुनाया निर्णायक फैसला- दो ड्रग तस्करों को 10 साल की कैद

श्रीनगर, 14 अक्टूबर। श्रीनगर के विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस की अदालत ने मंगलवार को एक हाई-प्रोफाइल मादक पदार्थ मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसमें दो जाने-माने ड्रग तस्करों को 10 साल के कठोर कारावास और प्रत्येक पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। 2021 में प्रतिबंधित दवाओं की एक बड़ी खेप बरामद होने के बाद, यह फैसला सुनाया गया। श्रीनगर के विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस की माननीय अदालत ने आज दो कुख्यात ड्रग तस्करों, मुदासिर सुल्तान भट उर्फ माजिद, पुत्र मोहम्मद सुल्तान, निवासी सर सैयद आबाद सेक्टर-1 बेमिना, श्रीनगर, और फिरोज अहमद खान उर्फ जजा, पुत्र अबुल फजल को दोषी ठहराया। समद खान, निवासी मुस्लिम आबाद नुंदरेशी कॉलोनी, बेमिना, श्रीनगर, पुलिस स्टेशन क्राइम ब्रांच कश्मीर (एएनटीएफ कश्मीर) में एफआईआर संख्या 19/2021 यू/एस 8/22, 29 एनडीपीएस एक्ट, 420, 468, 471 आईपीसी के तहत। माननीय न्यायालय ने दोषियों को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और प्रत्येक पर ?1,00,000 का जुर्माना लगाया। अप्रैल 2021 में एक ऑपरेशन के दौरान, ज़ेड-रेक्स सिरप की 7500 बोतलों और ज़ैनकाविट कैप्सूल (960 स्ट्रिप्स म 10 = 9600 कैप्सूल) के एक बॉक्स सहित, प्रतिबंधित दवाओं की एक बड़ी खेप की बरामदगी के बाद, एएनटीएफ कश्मीर द्वारा 2021 में मामला दर्ज किया गया था। व्यापक और साक्ष्य-आधारित जाँच के बाद, 10.03.2022 को श्रीनगर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की माननीय अदालत के समक्ष 960 पृष्ठों का एक व्यापक आरोप पत्र पेश किया गया। विवरण में बताया गया है कि एसएसपी एएनटीएफ जम्मू-कश्मीर की कड़ी निगरानी में एएनटीएफ कश्मीर द्वारा सावधानीपूर्वक जाँच की गई, जिससे एक ठोस अभियोजन सुनिश्चित हुआ और दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया गया। एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स, जम्मू-कश्मीर, इस दोषसिद्धि को सुनिश्चित करने में जाँच दल और अभियोजन पक्ष के अथक प्रयासों की सराहना करता है। यह निर्णय मादक पदार्थों के तस्करों के लिए एक कड़ा संदेश है और मादक पदार्थों की बुराई को खत्म करने तथा समुदाय, विशेषकर युवाओं की सुरक्षा के प्रति जम्मू-कश्मीर पुलिस की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह दोषसिद्धि मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चल रहे अभियान में एक उल्लेखनीय मील का पत्थर है और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने में एएनटीएफ जम्मू-कश्मीर की प्रभावशीलता, व्यावसायिकता और समर्पण का उदाहरण है।

धरती का स्वर्ग है 'मुन्नार'

आप प्राकृतिक की गोद में अपना समय बिताना चाहते हैं तो हिल स्टेशन से बढ़िया कोई और जगह नहीं है। भारत में लोगों के बीच हिल स्टेशन का क्रेज जबरदस्त है। मौसम कोई सा भी हो लोग हिल स्टेशन जाना नहीं भूलते। तो देर किस बात की चलिए चलते केरल की खूबसूरत जगह मुन्नार।

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। दूर-दूर तक फैले खूबसूरत चाय के बागान, हरी-भरी घाटियां, सुहाना मौसम, ऊंची-ऊंची चोटियां, अभयारण्य, प्राकृतिक खुशबू से भरी हवा के अलावा बाकी वह सब कुछ है जिसे देखने के बाद आपको शांति और सुकून ही मिलेगा।

मुन्नार की खूबसूरती को देखकर ऐसा लगता है, जैसे कि यह धरती का स्वर्ग है। मुन्नार की सुन्दरता इतनी अधिक है कि इसे ईश्वर का देश भी कहा जाता है। ऐसा लगता है मानो कि हम किसी ईश्वर की भूमि पर उतर आए। आपको यहा आने के बाद जाने का बिलकुल ही मन नहीं करेगा। यहां की झीलें और घने जंगल इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान अंग्रेजो के लिए मुन्नार दक्षिणी भारत का गर्मियों का रिजॉर्ट हुआ करता था।

वनों की विलक्षण वनस्पति तथा हरे घास के मैदानों के बीच यहां नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है।

हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी फूल पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। यह फूल बारह वर्षो में केवल एक बार ही खिलता है। जब यह फूल खिलता है तो इसकी सुंदरता देखते ही बनती है।

मुन्नार में देखने लायक जगह हैं आनामुड़ी शिखर, राजमाला, चितीरापुरम, इकोपाइंट और मट्टुपेटी बांध। मुन्नार की खूबसूरती पोतैमेदु में है, जो एक महत्त्वपूर्ण चाय बागान है।

मुन्नार में रोमांच

अगर आप रोमांचक खेल के शौकीन हैं तो मुन्नार में आपके लिए बहुत कुछ है। जैसे ट्रैकिंग, पारा ग्लाइडिंग, रोप क्लाइबिंग बोटिंग और हाइकिंग। वैसे तो आप पूरे साल मुन्नार जा सकते हैं लेकिन यदि आपको इसकी खूबसूरती देखनी है तो दिसंबर और जनवरी का महीना सही माना जाता है।

कैसे पहुंचे

मुन्नार पहुंचने के लिए आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग या सड़क मार्ग तीनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। कोच्चि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा मुन्नार के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है।

नजदीकी रेलवे स्टेशन तमिलनाडु का थेनी है जो मुन्नार से 60 किलोमीटर की दूरी पर है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए आदर्श पर्यटन स्थल है जाइरो

भारत का पूर्वोत्तर राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता और बदलते मौसम की वजह से पूरे विश्वभर में अपनी पहचान रखता है। यहां की कला और हस्तशिल्प की भव्यय विरासत तथा रंग बिरंगे त्यौहार प्रकृति की अपार शक्ति में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। ऐसी ही एक जगह है अरुणाचल प्रदेश में समुद्री तल से 5754 फीट (1,780 मीटर) की ऊंचाई पर स्थित जाइरो/जिरो, जो अपने सांस्कृसतिक विरासत और मनमोहक दृश्य के लिए जाना जाता है। अपनी खूबसूरती की वजह से ही यह कस्बा यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में नामांकित भी हुआ है।

अरूणाचल प्रदेश के सबसे प्रचीन शहरों में से एक, जाइरो एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो पाइन के पेड़ों से भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में फैले घने जंगल ही आदिवासी लोगों के घर हैं। यह क्षेत्र अपनी धान की खेतों की वजह से भी काफी लोकप्रिय है। जाइरो पौधों और जन्तुओं के मामले में काफी धनी है तथा अपनी विविधता की वजह से प्रकृति प्रमियों के लिए आदर्श स्थान बनी हुई है।

जाइरो में आदिवासी लोगों का प्रकति से इतना अधिक लगाव है कि वह प्रकृति को भगवान की तरह पूजते हैं और खुद को इससे जुड़ा हुआ पाते हैं। वहां के लोग खेतो के अलावा हस्तशिल्प तथा

हैन्डलूम उत्पादों को बनाकर अपना जीवनयापन करते हैं। अन्य आदिवासी लोगों से अलग अपा टनी के लोग जाइरो क्षेत्र के स्थाई निवासी हैं। अपा टनी द्वारा मनाए जाने वाले कई पर्व हैं जिनमें मार्च में मनाया जाने वाला म्योको त्यौहार, जनवरी में मनाया जाने वाला मुरुंग त्यौहार और जुलाई का द्री त्यौहार प्रमुख हैं। अगर आप जाइरो जाने की योजना बना रहे हैं तो आप हरी-भरी शांन्त टैली घाटी, 5000 हजार साल पुरानी मेघना गुफा मंदिर जा सकते हैं। यही नहीं खूबसूरत पक्षियों और सूर्योदय के खूबसूरत दृश्य देखना

> अरूणाचल प्रदेश के सबसे प्रचीन शहरों में से एक, जाइरो एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो पाइन के पेड़ों से भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में फैले घने जंगल ही आदिवासी लोगों के घर हैं।

है तो आप किले पाखो भी जा सकते हैं। यह यहां का लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।

जाइरो के अन्य पर्यटक स्थल

जीरो पूटु

इसे आर्मी पूटु के नाम से भी जाना जाता है। आजादी के बाद यहां पर अरूणाचल प्रदेश के पहले प्रशासनिक केन्द्र की स्थापना की गई थी। इसके बाद छठे दशक में यहां पर सेना के कैम्प का निर्माण भी किया गया। पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से खूबसूरत दृश्य भी देखे जा सकते हैं।

डोलो मांडो

हपोली से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित डोलो-मांडो डोलो और मांडो के प्रेम-संबंध के लिए प्रसिद्ध है। यहां से जाइरो और हपोली शहर के खूबसूरत दृश्य देखे जा सकते हैं।

तारीन मछली फार्म

पर्यटकों के लिए पसंदीदा जगहों में से एक 'मछली फार्म' हपोली से 3।5 किमी। की दूरी पर स्थित है। यह बहुत ही खूबसूरत जगह है। यहां आने वाले पर्यटक अनेक प्रजातियों की खूबसूरत मछिलयों को देख सकते हैं।

जाइरो का मौसम

जाइरो की जलवायु मौसम के अनुसार बदलती रहती है। वैसे तो पर्यटक पूरे साल भर जाइरो जाते हैं लेकिन यदि आपको वहां के मनमोहक दृश्य को देखना है अक्टूबर तथा नवम्बर का महीना आपके लिए सही रहेगा।

अतीत की कई कहानियों को बयां करती है यह जगह

उत्तरी मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा ओरछा अपने भव्य मंदिरों, महलों और किलों के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध है। झांसी से मात्र 16 किमी. की दूरी पर स्थित यह जगह अतीत की कई कहानियों को बयां करती है। हरा-भरा और पहाड़ियों से घिरा ओरछा राजा बीरसिंह देव के काल में बुंदेलखण्ड की राजधानी हुआ करता था।

इतिहास

परिहार राजाओं के बाद ओरछा चन्देलों और फिर बुंदेलों के अधिकार में रहा। हालांकि चन्देल राजाओं के पराभव के बाद ओरछा श्रीहीन हो गया, लेकिन जब बुंदेलों का शासन आया तो ओरछा ने पुनः अपना गौरव प्राप्त किया। बुंदेला राजा रुद्रप्रताप ने 1531 ई. में नए सिरे से इस नगर की स्थापना की। उन्होंने नगर में मंदिर महल और किले का निर्माण करवाया। यही नहीं, उनके बाद के राजाओं ने भी सौंदर्य से परिपूर्ण कलात्मक इमारतें और भवन बनवाए।

मुगल शासन में ओरछा

मुगल शासक अकबर के समय यहां के राजा मधुकर शाह थे जिनके साथ मुगल सम्राट ने कई युद्ध किए थे। जहांगीर ने वीरसिंहदेव बुंदेला को, जो ओरछा राज्य की बड़ौनी जागीर के स्वामी थे, पूरे ओरछा राज्य की गद्दी दी थी। इसके बदले में वीरसिंहदेव ने जहांगीर के कहने से अकबर के शासन काल में अकबर के विद्वान दरबारी अबुलफजल की हत्या करवा दी थी। वहीं जब शाहजहां का शासन काल आया तो मुगलों ने बुन्देलों से कई असफल लड़ाइयां लड़ीं। किंतु अंत में जुझार सिंह को ओरछा का राजा स्वीकार कर लिया गया।

ओरछा की सुंदरता

ओरछा की विरासत यहां की इमारतों में कैद है। आप महल, किले, पवित्र भव्य मंदिर तथा बुंदेलखण्ड के संस्कृति से जुड़ी प्रतिमा और चित्रकला को देखकर अपने कैमरे में कैद किए बिना रह नहीं सकते। मंदिरों और किलों की खूबसूरती का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इनकी चमक आज भी बरकरार है।

क्या देखें

राज महल-ओरछा के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक 'राजमहल' को 17वीं शताब्दी में मधुकर शाह ने बनवाया था। चतुर्भुज आकार का यह महल अपनी शिल्प कला तथा भित्तिचित्रों के लिए प्रसिद्ध है।

जहांगीर महल- बुन्देलों और मुगल शासक जहांगीर की दोस्ती की निशानी है जहांगीर महल। जहांगीर महल के प्रवेश द्वार पर दो

झुके हुए हाथी बने हुए हैं जो अपने आप में वास्तुकला का बेहतरीन नमूना है।

चतुर्भुज मंदिर- कमल की आकृति और अन्य आकृतियों से परिपूर्ण यह मंदिर चार भुजाधारी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण 1558 से 1573 के बीच राजा मधुकर ने करवाया था। अपने समय की यह उत्कृष्ट रचना यूरोपीय कैथोड्रल से समान है।

लक्ष्मीनारायण मंदिर- 622 ई. में बीरसिंह देव द्वारा बनवाया गया यह मंदिर ओरछा गांव के पश्चिम में एक पहाड़ी पर बना है। मंदिर में सत्रहवीं और उन्नीसवीं शताब्दी के चित्र बने हुए हैं, जो तब के इतिहास को बयां कर रहे हैं। चित्रों के चटकीले रंग इतने जीवंत लगते हैं कि देखकर आपको लगेगा कि यह हाल-फिलहाल में बने हैं।

> मुगल शासक अकबर के समय यहां के राजा मधुकर शाह थे जिनके साथ मुगल सम्राट ने कई युद्ध किए थे। जहांगीर ने वीरसिंहदेव बुंदेला को, जो ओरछा राज्य की बड़ौनी जागीर के स्वामी थे, पूरे ओरछा राज्य की गद्दी दी थी।

फूलबाग-मंदिर और महलों के अलावा आप ओरछा में बुन्देल राजाओं द्वारा बनवाया गया फूलों का बगीचा भी देख सकते हैं। पालकी महल के निकट स्थित यह बाग बुन्देल राजाओं का आरामगाह था। वर्तमान में यह पिकनिक स्थल बना हुआ है।

कैसे पहुंच

ओरछा का नजदीकी हवाई अड्डा खजुराहो है जो 163 किमी. की दूरी पर है। खजुराहो से आप टैक्सी, ऑटो के जरिए ओरछा पहुंच सकते हैं। अगर आप ट्रेन के जरिए ओरछा पहुंचना चाहते हैं तो झांसी ओरछा का नजदीकी रेलवे स्टेशन है। दिल्ली, आगरा, भोपाल, मुंबई, ग्वालियर आदि प्रमुख शहरों से झांसी के लिए काफी संख्या में ट्रेने हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

डीसी कठुआ ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की प्रगति पर समीक्षा बैठक की

कठुआ 14 अक्टूबर (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने मंगलवार को जिले में क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति का आकलन करने हेतु कृषि एवं संबद्ध विभागों की एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की उपायुक्त ने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने पर केंद्रित अन्य प्रमुख पहलों के अंतर्गत गतिविधियों का विस्तृत मूल्यांकन किया। उन्होंने कृषक समुदाय के व्यापक कल्याण के लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बैंकों सहित सभी विभागों के बीच समन्वित और परिणामोन्मुखी प्रयासों पर जोर दिया। कृषि क्षेत्र के अंतर्गत उपायुक्त ने प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम-किसान, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, मशरूम विकास कार्यक्रम, पीएम फसल बीमा योजना और महिला स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने की पहल सहित विभिन्न लाभार्थी-उन्मुख योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। मत्स्य पालन, पशुपालन, भेड़पालन, बागवानी और सहकारिता क्षेत्रों में प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों से सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आउटरीच और जागरूकता गतिविधियों को तेज करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य योजना अधिकारी रंजीत ठाकुर, मुख्य कृषि अधिकारी जतिंदर कुमार, मुख्य पशुपालन अधिकारी डॉ. जुगल किशोर, जिला भेड़पालन अधिकारी रमेश कुमार मन्हास, मत्स्य पालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक पवन शर्मा, मुख्य बागवानी अधिकारी अश्विनी कुमार, उप पंजीयक सहकारिता श्रुति शर्मा के अलावा विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

छात्रों के भावनात्मक कल्याण पर जागरूकता कार्यक्रम

जम्मू, 14 अक्टूबर (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू में मनोदर्पण मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ ने समान अवसर प्रकोष्ठ के सहयोग से छात्रों में भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देना विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में कॉलेज कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। इस अवसर पर डॉ. रोमेश कुमार, मनोवैज्ञानिक एवं परामर्शदाता तथा डाइट जम्मू के विभागाध्यक्ष, संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों के साथ संवादात्मक सत्र में शैक्षणिक और व्यक्तिगत जीवन में भावनात्मक संतुलन बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आत्म-जागरूकता, सहानुभूति और लचीलापन को भावनात्मक कल्याण के प्रमुख तत्व बताते हुए छात्रों को माइंडफुलनेस अभ्यास, श्वास व्यायाम और योग आसनों जैसी गतिविधियों में भी शामिल किया कार्यक्रम में लगभग 200 छात्रों एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य डॉ. वंदना खजूरिया ने छात्रों के समग्र विकास में भावनात्मक स्वास्थ्य के महत्व पर बल देते हुए आयोजन टीम की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत सहायक प्रोफेसर बाल कृष्ण के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने मनोदर्पण पहल का परिचय दिया। अंग्रेजी विभाग की डॉ. यास्मीन मुगल ने भी अपने विचार साझा किए।

अर्धसैनिक बलों की लंबित मांगों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया

जम्मू, 14 अक्टूबर (हि.स.)। एक्स सेंट्रल पैरामिलिटरी फोर्स वेलफेयर एसोसिएशन, जम्मू-कश्मीर इकाई ने सोमवार को गांधी नगर, जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जिसमें बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और असम राइफल्स के कर्मियों से जुड़ी लंबित मांगों को लेकर चिंता व्यक्त की गई। प्रेस वार्ता के दौरान वक्ताओं ने बताया कि सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने वर्ष 2012 में ही गृह मंत्रालय के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी जिसमें सीएपीएफ कर्मियों को रक्षा बलों के पूर्व सैनिकों के समान लाभ देने की अनुशंसा की गई थी। हालांकि इस आदेश के लागू न होने से अभी तक सेवानिवृत्त अर्धसैनिक कर्मियों को समान लाभ नहीं मिल पाए हैं।

संघ ने कहा कि यद्यपि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को गृह मंत्रालय के अधीन सशस्त्र बलों का दर्जा प्राप्त है फिर भी उनकी सेवा शर्तें रक्षा कर्मियों से अलग रखी गई हैं। उदाहरणस्वरूप सीआरपीएफ कर्मियों पर केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 लागू है जिसके कारण वे कई सुविधाओं से वंचित हैं। संघ ने मांग की कि समान परिस्थितियों में सेवा देने वाले सीएपीएफ कर्मियों को भी समान सेवा शर्तें और सेवानिवृत्ति लाभ दिए जाएँ। साथ ही उन्होंने सातवें वेतन आयोग के तहत लंबित बकाया भुगतान और 18 महीने के रोके गए महंगाई भत्ते को जल्द जारी करने की भी मांग की।संघ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी जायज़ मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो इससे लाखों केंद्रीय कर्मचारियों में असंतोष फैल सकता है। उन्होंने वन रैंक, वन पेंशन नीति को सभी अर्धसैनिक बलों पर लागू करने और लंबित पारिवारिक पेंशन व कल्याणकारी लाभों का शीघ्र निपटारा करने की अपील की।

हीरानगर और बनी पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त 06 डंपर किए जब्त

कठुआ 14 अक्टूबर (हि.स.)। अवैध खनन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस' के नेतृत्व में कठुआ पुलिस ने थाना हीरानगर और थाना बनी के अधिकार क्षेत्र में कुल 06 डंपर जब्त किए हैं, जिनका इस्तेमाल निर्माण सामग्री के अवैध खनन एवं परिवहन के लिए किया जा रहा था।

पहली घटना में थाना हीरानगर के एसएचओ आशीष शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए पंजीकरण संख्या जेके21जी-6573, जेके21जे-8683, जेके21के-8445, जेके21एच-0059 वाले चार डंपर जब्त किए, जिनका इस्तेमाल क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध खनन परिवहन के लिए किया जा रहा था। इसी प्रकार दूसरी घटना में एसएचओ बनी सुरिंदर रैना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए दो डंपर पंजीकरण संख्या जेके08जे-8586 और जेके08जे-8024 जब्त किए हैं, जिनका उपयोग क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध खनन परिवहन के लिए किया जा रहा था। वहीं उपर्युक्त वाहनों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान एवं खनन विभाग कठुआ को सौंप दिया गया है।

अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में बनी बसोहली कठुआ में मेगा स्वास्थ्य शिविर

कठुआ 14 अक्टूबर (हि.स.)। कठुआ उपायुक्त राजेश शर्मा ने रोटरी क्लब इंटरनेशनल और जिला प्रशासन कठुआ द्वारा अक्टूबर 2025 के अंतिम सप्ताह में जिले के विभिन्न चिकित्सा खंडों में संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले आगामी मेगा स्वास्थ्य शिविरों की व्यवस्थाओं की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की।

ये शिविर बसोहली बनी और कठुआ में आयोजित किए जाएँगे, जहाँ चिन्हित रोगियों की शल्यक्रियाएँ की जाएँगी। बैठक में रोटरी क्लब इंटरनेशनल के प्रतिनिधियों, अतिरिक्त उपायुक्तों, उप-मंडल मजिस्ट्रेटों, कठुआ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना और खंड चिकित्सा अधिकारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य शिविरों के सुचारू और सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत चर्चा की।

उधमपुर पुलिस ने दोहरे हत्या मामले में दो आरोपियों को दोषी ठहराया

जम्मू, 14 अक्टूबर (हि.स.)। उधमपुर पुलिस ने पंचारी थाना अंतर्गत दर्ज दोहरे हत्या मामले में दो आरोपियों को दोषी ठहराने में सफलता हासिल की है। यह मामला एफआईआर संख्या 34-2015 यूएस 302 आईपीसी से संबंधित है, जिसमें पंचारी के निवासी काका राम सध् नेक राम और खेम राज सध् इशर दास ने भूमि विवाद के चलते एक पिता और पुत्र (सिराज दिन पुत्र जमाल दिन और बिनिया पुत्र सिराज दिन) की हत्या की थी उधमपुर पुलिस ने मामले की पूरी जाँच-पड़ताल के बाद चार्जशीट अदालत में पेश की। आज माननीय प्रधान और सत्र न्यायाधीश, उधमपुर ने दोनों आरोपियों को 302 प्ब् के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा और प्रत्येक पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

एक्स-रे मशीन एक महीने से खराब, मरीज परेशान

जम्मू, 14 अक्टूबर (हि.स.)। बुद्धल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लगाए गए केवल एकमात्र एक्स-रे मशीन पिछले एक महीने से खराब होने के कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि मशीन में तकनीकी खराबी आ गई थी, लेकिन न तो इसे अभी तक ठीक किया गया है और न ही कोई वैकल्पिक इंतजाम किया गया है।

स्थानीय निवासियों ने स्वास्थ्य विभाग और संबंधित अधिकारियों की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र में पहले से ही मूलभूत सुविधाओं की कमी है और अब एक्स-रे मशीन के खराब होने से मरीजों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। यहां तक कि छोटी-मोटी एक्स-रे सेवाओं के लिए भी मरीजों को पास के शहरों तक जाना पड़ रहा है, जिससे समय और पैसों की अतिरिक्त परेशानी होती है।

मेडिकल ऑफिसर डॉ. जिया-उल-हक ने बताया कि मशीन में तकनीकी खराबी आई है और इसका लिखित विवरण स्वास्थ्य विभाग को भेजा जा चुका है।

दैनिक जीवन में स्वच्छता प्रथाओं पर जागरूकता फैलाने की शपथ ली

कठुआ 14 अक्टूबर (हि.स.)। जीडीसी महानपुर के आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) क्लबों ने रेड आर इंडिया के सहयोग से स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। यह अभियान कॉलेज परिसर में स्वच्छता और स्वास्थ्य के मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. सपना देवी द्वारा प्राचार्य डॉ. संगीता सूदन के मार्गदर्शन में किया गया। छात्रों और संकाय सदस्यों ने झाड़ू, कूड़ेदान और कचरा बैग लेकर इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने आसपास से कूड़ा एकत्र किया और कचरे का उचित पृथक्करण सुनिश्चित किया। विभिन्न सेमेस्टर के 25 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और दैनिक जीवन में स्वच्छता प्रथाओं के बारे में जागरूकता फैलाने की शपथ लेने के साथ हुआ। इस अवसर पर अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम की मेजबानी डॉ. सपना देवी ने की।

सेना ने राजौरी के सीमावर्ती गाँवों के लिए दंत चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

राजौरी, 14 अक्टूबर (हि.स.)। स्थानीय समुदायों की भलाई में सुधार लाने के उद्देश्य से एक हार्दिक पहल के तहत भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने राजौरी के सुदूर सीमावर्ती गाँवों में एक दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

आवाम के चेहरे पर मुस्कान लाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में जाँच, सफाई, दाँत निकालने और मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता सहित आवश्यक दंत चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की गईं। शिविर से समुदाय के कुल 32 सदस्यों को लाभ हुआ जिन्हें मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक देखभाल और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

यह पहल स्थानीय आबादी के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो मजबूत और लचीले समुदायों के निर्माण में स्वस्थ मुस्कान के महत्व को पुष्ट करती है। प्रतिभागियों ने शिविर से न केवल बेहतर मौखिक स्वास्थ्य बल्कि एक नए स्वास्थ्य की भावना के साथ विदाई ली क्योंकि भारतीय सेना जम्मू और कश्मीर के लोगों की सेवा और समर्थन करना जारी रखे हुए है।

त्योहारों के मौसम में जम्मू मंडल के स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतज़ाम

जम्मू, 14 अक्टूबर (हि.स.)। त्योहारों के मौसम में जम्मू मंडल में यात्री सुविधा एवं सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जम्मू मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किए गए हैं। त्योहारों के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए, यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने और स्टेशनों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। ये उपाय इस प्रकार हैं

सबसे पहले, जम्मू, पठानकोट कैंट, पठानकोट सिटी, श्री माता वैष्णो देवी कटरा, श्रीनगर आदि सहित मंडल के सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर निरंतर ट्रेन उद्घोषणाएँ की जा रही हैं ताकि यात्रियों को उनकी ट्रेनों के बारे में सटीक जानकारी मिल सके। यात्रियों की सहायता के लिए विभिन्न स्टेशनों पर हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। इन हेल्प डेस्क का मुख्य उद्देश्य यात्रा संबंधी किसी भी समस्या के बारे में जानकारी, सहायता और त्वरित समाधान प्रदान करना है भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। इन क्षेत्रों में पेयजल, पंखे, शौचालय और पर्याप्त बैठने की व्यवस्था है स्टेशन परिसर में यात्री यातायात को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी के जवानों को तैनात किया गया है। स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वारों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

GOVERNMENT OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION
KATHUA

Extension Corrigendum1

Name of Work: Design, Fabrication, Providing, Installation testing & commissioning of 08 Passenger Machine Room Less (MRL) Elevator in Munsiff Court complex, Hiranagar on Turnkey basis

Tender ID 2025_PWDJK_260695_1

Reference: e-NIT No: MHDK/TECH/e-NIT/2025-26/36 Dated: 04.10.2025

Due to poor response the e-NIT No: MHDK/TECH/e-NIT/2025-26/36 Dated: 04.10.2025issuedfor the work "Design, Fabrication, Providing, Installation testing & commissioning of 08 Passenger Machine Room Less (MRL) Elevator in Munsiff Court complex, Hiranagar on Turnkey basis." is hereby extended up to 17/10/2025 till 2.00 pm and shall be opened on 18/10/2025 at 02.00 pm. The revised critical dates can be seen/ downloaded from the J&K Govt. website www.jktenders.gov.in.

Rest all other terms and conditions of e-NIT shall remain the same.

No: - MHDK/Tech/2492-93
Dated: 13/10/2025

Sd/-
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Kathua.

DIP/J-6871/25
Dtd: 14-10-2025

DIRECTORATE OF FIRE & EMERGENCY SERVICES, J&K JAMMU/SRINAGAR.

Tel:- 0191-2457821, 2453013, 0194-2455061, 2455072 E-mail: info.fesjk@jk.gov.in

Safety Advisory for general public on the eve of Diwali.

In order to ensure a safe and joyful Diwali and to avoid occurrence of any mishap during Diwali celebrations, the general public is advised to take certain safety precautions, as detailed below, while lighting of lamps and bursting of crackers and shall follow the **Dos and DON'Ts:-**

DOs:

1. Buy crackers from licensed vendors only.
2. While purchasing, check cracker packaging for safety certifications.
3. Read instructions before bursting crackers.
4. Burst crackers in open spaces, away from buildings.
5. Keep water and fire extinguishers nearby.
6. Wear protective clothing (gloves, goggles and shoes) while bursting crackers and avoid loose and synthetic clothes.
7. Ensure prevention of entry of any fire cracker inside the buildings.
8. Light crackers in a safe and stable position.
9. Tie your hair while bursting the crackers
10. Keep children and pets at a safe distance.
11. Dispose of used crackers responsibly.
12. Follow local noise pollution regulations.
13. The children shall be taught proper and handling of crackers and shall be allowed to burst crackers under adult supervision.
14. The children shall be kept away from direct sounds of crackers.
15. In case of cracker related injuries use following First Aid tips.

a. Burns: cool with water, apply antibiotic ointment.
b. Cuts: Apply pressure, clean with antiseptic.
c. Eye injuries: Flush with water, seek medical help.
d. Hearing damage: Seek medical attention.

DON'Ts:

1. Don't burst fire crackers without reading instructions;
2. Don't burst crackers near hospitals, schools, or animal shelters.
3. Avoid bursting crackers in crowded areas.
4. Never hold crackers in hand while lighting.
5. Don't point crackers at people or animals.
6. Refrain from bursting crackers near flammable materials.
7. Don't light the Diyas near exposed electric wires, curtains etc.
8. Don't allow children to burst crackers unsupervised.
9. Avoid wearing loose and synthetic clothing near crackers.
10. Don't burst crackers indoors or in enclosed spaces.
11. Never try to relight failed crackers and don't fiddle with the un-burst crackers.
12. Don't throw crackers at others.

Sd/-
Alok Kumar-IPS(ADGP)
Director,
Fire & Emergency Services,J&K
Jammu/Srinagar.

DIP/J-6909/25
Dtd: 14-10-2025

जम्मू म्यूचुअल फंड के लिए विकास के एक अग्रणी क्षेत्र के रूप में उभर रहा है : एलआईसी म्यूचुअल फंड

जम्मू, 14 अक्टूबर। भारत का म्यूचुअल फंड उद्योग निवेशकों की बढ़ती भागीदारी और बचत व्यवहार में संरचनात्मक बदलावों के बल पर नई ऊँचाइयों को छू रहा है। एएमएफआई के अनुसार, 30 सितंबर, 2025 तक उद्योग की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियाँ (एयूएम) 75,61,309 करोड़ थीं।

इस बीच, एसआईपी योगदान में वृद्धि जारी रही, और मासिक संग्रह अगस्त के ?28,265 करोड़ से बढ़कर सितंबर 2025 में 29,361 करोड़ हो गया। 30 सितंबर, 2025 तक, म्यूचुअल फंड फोलियो की कुल संख्या 25.19 करोड़ थी, जिसमें महीने के दौरान 30.14 लाख नए फोलियो जुड़े, जो खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर यह जीवंतता, जम्मू में एलआईसी म्यूचुअल फंड के आशावाद के लिए एक आकर्षक पृष्ठभूमि प्रस्तुत करती है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 तक जम्मू में म्यूचुअल फंड का एयूएम लगभग ?8,176 करोड़ था।

हालांकि अभी म्यूचुअल फंड अपनाने की प्रक्रिया शुरुआती चरण में है, जम्मू में अनुकूल संरचनात्मक अनुकूल परिस्थितियाँ हैं - बढ़ती आय, बेहतर कनेक्टिविटी और बढ़ती वित्तीय जागरूकता। एलआईसी म्यूचुअल फंड जागरूकता अभियानों, सरल उत्पाद पहुँच और एसआईपी-आधारित आदत निर्माण के माध्यम से इस क्षेत्र में म्यूचुअल फंड की पहुँच को तेज़ करने का अवसर देखता है। यह फंड हाउस दीर्घकालिक वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर महिलाओं और परिवारों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे समय में जब भारतीय परिवार धीरे-धीरे पारंपरिक बचत साधनों से हटकर विविध वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर रुख कर रहे हैं, जम्मू विकास की एक नई संभावना प्रदान करता है। एलआईसी म्यूचुअल फंड इस बदलाव को गति देने, निवासियों को धन सृजन में सार्थक रूप से भाग लेने में सक्षम बनाने और स्थानीय और राष्ट्रीय पूंजी निर्माण दोनों में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बिश्नाह में 164.34 लाख रूपये की लागत से कई विकास कार्यों की शुरुआत

जम्मू, 14 अक्टूबर (हि.स.)। बिश्नाह क्षेत्र में मंगलवार को कुल 164.34 लाख रूपये की लागत से कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इनमें स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचा और पंचायत-स्तरीय योजनाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार और जनकल्याण को बढ़ावा देना है। भाजपा विधायक डॉ राजीव भगत ने इन परियोजनाओं का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने अरनिया स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाई (बीपीएचयू) का उद्घाटन किया गया। यह इकाई 70 लाख रूपये की लागत से प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत स्थापित की गई है। इसके शुरू होने से अरनिया और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। इसके अतिरिक्त तीन पंचायतों किरयाल, कठार और अल्लाह में कुल 51 नए विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। पंचायत किरयाल में 38.19 लाख रूपये की लागत से 19 कार्य, पंचायत कठार में 21.16 लाख रूपये की लागत से 15 कार्य और पंचायत अल्लाह में 34.99 लाख रूपये की लागत से 17 कार्य शुरू किए गए हैं।

संपादकीय

निगरानीकर्ताओं पर कौन नज़र रखेगा?

यह शर्मनाक है कि विभिन्न स्थानों पर निर्मित दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अनेक नियामक संस्थाओं के बावजूद, दूषित कफ सिरप बाज़ार में पहुँच गए, जिससे 20 से ज़्यादा बच्चों की दुखद मौत हो गई। इसने निगरानीकर्ताओं की जवाबदेही पर कई सवाल खड़े किए हैं और दवा नियामक प्रणाली की गंभीर खामियों को उजागर किया है। कई एजेंसियों की निगरानी में इतनी बड़ी विफलता कैसे हो सकती है, और गुणवत्ता को नियंत्रित करने के लिए ज़िम्मेदार लोगों को क्यों बेख़ौफ़ छोड़ दिया गया है? ऐसी त्रासदी के सामने चुप्पी और निष्क्रियता एक प्रणालीगत सड़न को दर्शाती है जिसका तत्काल समाधान किया जाना चाहिए। यह राष्ट्रीय शर्म का विषय बन गया है कि एक ऐसा देश जो सभी मंचों पर दवाओं के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक होने का दावा करता था, उसे ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) को भारत में पहचाने गए तीन घटिया ओरल कफ सिरप - कोल्ड्रिफ, रेस्पिप्रेश टीआर और रीलाइफ - के खिलाफ चेतावनी जारी करनी पड़ी है। कथित तौर पर, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया भर के राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों से आग्रह किया है कि अगर उनके देश में ऐसी कोई भी चीज़ पाई जाती है, तो वे तुरंत उसे सूचित करें। इसने स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को भी सलाह दी है कि वे इन घटिया उत्पादों का पता चलने और किसी भी प्रतिकूल प्रभाव, या अपेक्षित प्रभाव की कमी की सूचना अपने राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों या राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस केंद्र को दें यह चेतावनी मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ दिए जाने के बाद कम से कम 22 बच्चों, जिनमें ज़्यादातर पाँच साल से कम उम्र के थे, की संदिग्ध किडनी फेल होने से मौत के बाद जारी की गई है। इसके अलावा, राजस्थान के विभिन्न ज़िलों में कथित तौर पर कफ सिरप पीने से कम से कम तीन बच्चों की मौत हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि देश भर में निर्मित दवाओं की गुणवत्ता को नियंत्रित करने वाली सरकारी एजेंसियों को इस तरह से छूट दी गई है मानो यह उनका कोई काम ही न हो यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों, उन नियामक निकायों की जवाबदेही तय करना ज़रूरी है जिन पर अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले प्रतिष्ठानों में उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता की जाँच करने की ज़िम्मेदारी है, क्योंकि इनका पालन-पोषण दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है, न कि गहरी नींद में सोने के लिए अब समय आ गया है कि असली दोषियों, जिनमें निर्माता और उत्पादित दवाओं की विश्वसनीयता और गुणवत्ता की जाँच करने की ज़िम्मेदारी रखने वाले लोग शामिल हैं, के खिलाफ कार्रवाई की जाए। निश्चित रूप से, ऐसी चूक न केवल त्रासदियों का कारण बनती है, बल्कि दुनिया भर में फैले ग्राहकों का विश्वास टूटने के कारण दवा उद्योग के कारोबार पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि भारत इस क्षेत्र में अग्रणी है।

पारंपरिक चिकित्सा की बढ़ती प्रासंगिकता

- श्री प्रतापराव जाधव, केंद्रीय आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी (आयुष) राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री

जलवायु परिवर्तन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के दौर में प्राचीन चिकित्सा पद्धति स्थायी स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान कर सकती है

भारत अब 150 से ज़्यादा देशों को 1.54 अरब डॉलर मूल्य के आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात करता हैऔर आयुर्वेद को कई देशों में एक चिकित्सा पद्धति के रूप में औपचारिक मान्यता मिल रही है। यह वैश्विक मंच पर आर्थिक अवसर और सॉफ्ट पावर, दोनों का प्रतिनिधित्व करता है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (2022-23) द्वारा आयुष पर किए गए पहले व्यापक सर्वेक्षण से लगभग सार्वभौमिक जागरूकता का पता चलता है - ग्रामीण क्षेत्रों में 95प्रतिशत और शहरी केंद्रों में 96प्रतिशत। पिछले वर्ष आधी से ज़्यादा आबादी ने आयुष प्रणालियों का उपयोग करने की जानकारी दी थीऔर आयुर्वेद कायाकल्प और निवारक देखभाल के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, इसके 88प्रतिशत सदस्य देशों - 194 देशों में से 170 - में पारंपरिक चिकित्सा का प्रचलन है।विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, यह चिकित्सा प्रणालीअपने सुलभ और किफायती सेवा के कारणअरबों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा का प्राथमिक रूप बनी हुई है। तथापि, इसका महत्व उपचार से आगे बढ़कर जैव विविधता संरक्षण, पोषण सुरक्षा और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने तक विस्तृत है।

व्यापारिक रुझान दिखाते हैं कि लोग इसे तेजी से अपना रहे हैं।विश्लेषकों का अनुमान है कि वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा बाजार 2025 तक 10प्रतिशत -20प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 583 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। चीन का पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र 122.4 अरब डॉलर, ऑस्ट्रेलिया का हर्बल औषधि उद्योग 3.97 अरब डॉलर और भारत का आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध,सोवा रिग्पाएवं होम्योपैथी (आयुष) क्षेत्र 43.4 अरब डॉलर के मूल्य का है।

यह विस्तार स्वास्थ्य सेवा दर्शन में एक मूलभूत बदलाव को दर्शाता है - प्रतिक्रियात्मक उपचार मॉडल से सक्रिय, निवारक दृष्टिकोणों की ओर, जो केवल लक्षणों के बजाय मूल कारणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

भारत का आयुर्वेदिक परिवर्तन

भारत के पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। 92,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों वाले आयुष उद्योग का एक दशक से भी कम समय में लगभग आठ गुना विस्तार हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र का राजस्व 2014-15के 21,697 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि सेवा क्षेत्र ने 1.67 लाख करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है।

भारत अब 150 से ज़्यादा देशों को 1.54 अरब डॉलर मूल्य के आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात करता हैऔर आयुर्वेद को कई देशों में एक चिकित्सा पद्धति के रूप में औपचारिक मान्यता मिल रही है। यह वैश्विक मंच पर आर्थिक अवसर और सॉफ्ट पावर, दोनों का प्रतिनिधित्व करता है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (2022-23) द्वारा आयुष पर किए गए पहले व्यापक सर्वेक्षण से लगभग सार्वभौमिक जागरूकता का पता चलता है - ग्रामीण क्षेत्रों में 95प्रतिशत और शहरी केंद्रों में 96प्रतिशत। पिछले वर्ष आधी से ज़्यादा आबादी ने आयुष प्रणालियों का उपयोग करने की जानकारी दी थीऔर आयुर्वेद कायाकल्प और निवारक देखभाल के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा है।

वैज्ञानिक मान्यता, वैश्विक विस्तार

भारत ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान और केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद सहित कई संस्थानों के माध्यम से अनुसंधान में महत्वपूर्ण निवेश किया है।

ये संस्थान नैदानिक सत्यापन, औषधि मानकीकरण और एकीकृत देखभाल मॉडल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ जोड़ते हैं।

आयुष मंत्रालय की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग योजना के माध्यम से भारत की वैश्विक आयुर्वेद पहुँच ने अभूतपूर्व स्तर हासिल किया है। भारत ने 25 द्विपक्षीय समझौतों और 52 संस्थागत साझेदारियों पर हस्ताक्षर किए हैं, 39 देशों में 43 आयुष सूचना प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और विदेशी विश्वविद्यालयों में 15 शैक्षणिक विभागों की स्थापना की है।

भारत में डब्लूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत सरकार से समर्थन प्राप्त इस केंद्र का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, डिजिटल स्वास्थ्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का उपयोग करना है।

पारंपरिक चिकित्सा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के एकीकरण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का हालिया प्रकाशन इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे उन्नत प्रौद्योगिकियां नैदानिक सत्यापन को मजबूत कर सकती हैं, बड़े डेटा विश्लेषण को सक्षम बना सकती हैंऔर आयुर्वेद व संबंधित प्रणालियों में पूर्वानुमान देखभाल प्रणाली को बेहतर बना सकती हैं।

आयुर्वेद का मूल दर्शन - शरीर और मन, मानव और प्रकृति, उपभोग और संरक्षण के बीच संतुलन - समकालीन चुनौतियों के लिए प्रासंगिक समाधान प्रस्तुत करता है। जहाँ एक ओर दुनिया जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, वहीं आयुर्वेद एक ऐसी रूपरेखा प्रदान करता है, जो व्यक्तिगत और पृथ्वी के स्वास्थ्य, दोनों का समाधान करने में सक्षम है।

भारत वैश्विक स्तर पर पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है।यह दृष्टिकोण निवारक, किफायती, समावेशी और स्थायी स्वास्थ्य देखभाल पर ज़ोर देता है।

आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा प्रणाली, बल्कि एक कल्याण अभियान का प्रतिनिधित्व करता है, जो पारंपरिक ज्ञान को समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ता है।

प्राचीन ज्ञान का आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ समन्वय, पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को वैश्विक स्वास्थ्य संरचना में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की सुविधा देता है। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों की क्षमता की याद दिलाता है, जो लोग और अपनी पृथ्वी के संदर्भ में एक अधिक संतुलित और स्थायी भविष्य में योगदान दे सकती है।

दशहरा और दिवाली के बीच के ये बीस दिन - एकात्मता और समरसता का काल

रमेश शर्मा

भारतीय संस्कृति में हर पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि गहन सामाजिक, आध्यात्मिक और नैतिक संदेश देने वाला माध्यम है। विजयादशमी और दीपावली के बीच आने वाले बीस दिन इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। ये केवल कैलेंडर की बीस तिथियां नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने, समरसता और सहयोग की भावना जगाने की अवधि हैं। यह वही काल है जब श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या लौटे थे। रामजी की इस वापसी यात्रा और दीपावली की तैयारी के बीच गहरा सांस्कृतिक और मानवीय संबंध है।

रावण-वध के बाद का काल, एकात्मता की यात्रा

रामचरितमानस के अनुसार रावण-वध अश्विन शुक्ल दशमी को हुआ था, जिसे हम आज विजयदशमी के रूप में मनाते हैं। किंतु श्रीराम अयोध्या लौटे कार्तिक अमावस्या को, अर्थात् बीस दिन बाद। यह विलंब उत्सव या विश्राम का नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण का था।

रामजी लंका-विजय के पश्चात केवल दो दिन वहीं ठहरे, एक दिन रावण और उसके परिजनों के अंतिम संस्कार हेतु, और अगले दिन विभीषण के राज्याभिषेक के लिए। इसके बाद उन्होंने विभीषण से अनुमति लेकर पुष्पक विमान से उत्तर की ओर प्रस्थान किया। परंतु वे सीधे अयोध्या नहीं लौटे। उन्होंने उसी मार्ग से यात्रा की, जिससे वे वनवास में और लंका युद्ध के लिए गए थे।

रामजी हर आश्रम, हर ग्राम, हर वन्य समाज से पुनः मिले। ऋषियों, तपस्वियों, वनवासियों, भील, निषाद, किरात सभी से संवाद किया। यह यात्रा केवल वापसी नहीं थी; यह पूरे भारतवर्ष को एक सूत्र में बाँधने की प्रतीक थी। उन्होंने हर समाज-समूह को साथ चलने का निमंत्रण दिया, और अनेक समाज प्रमुख पुष्पक विमान में उनके साथ चले। इन अठारह दिनों में रामजी ने समाज को यह संदेश दिया कि यदि समाज संगठित रहेगा, तो कोई भी आसुरी शक्ति उसे पराजित नहीं कर सकती।

रामजी का संदेश; आभार और ने इस यात्रा के माध्यम से यह भी बताया कि जो लोग कठिन समय में साथ देते हैं, उनके प्रति सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए। निषादराज, सुग्रीव, विभीषण, शबरी, जटायु जैसे सहयोगियों के प्रति उनका सम्मान इसका प्रमाण है। उन्होंने यह आदर्श प्रस्तुत किया कि जाति, वर्ग, वर्ण या स्थिति कोई भी हो, सहयोग और सद्भाव ही सच्चा धर्म है।

दीपावली की तैयारी, समाज की एकता का उत्सव

रामजी के अयोध्या लौटने पर अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया। यही परंपरा आगे चलकर दीपावली के रूप में विकसित हुई। परंतु दीपावली केवल दीप प्रवलन का त्यौहार नहीं है, यह समाज के हर वर्ग की सहभागिता का उत्सव है। दीपावली की तैयारी दशहरे के तुरंत बाद प्रारंभ होती है। घरों की सफाई, लिपाई-पुताई, नई वस्तुओं की खरीदारी, घरों और बाजारों की सजावट, इन सबमें समाज के हर वर्ग का श्रम और योगदान होता है। कोई झाड़ू बनाता है, कोई रंग, दीये, मिठाइयाँ या आभूषण। कोई घर सजाता है, तो कोई वस्तुएँ बेचता है। यह सामूहिक श्रम और परस्पर सहयोग ही दीपावली की आत्मा है।

यही कारण है कि दीपावली के दिन केवल लक्ष्मी पूजन नहीं होता, बल्कि यह सम्पूर्ण समाज के परिश्रम और सहभागिता का सम्मान है। यह पर्व बताता है कि हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पेशे, वर्ग या स्थान से जुड़ा हो, समाज की समृद्धि में समान रूप से भागीदार है।

भारतीय संस्कृति की समरस दृष्टि

भारतीय परंपरा में वसुधैव कुटुम्बकम् केवल एक नारा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य है। यहाँ हर प्राणी को समान सम्मान देने की भावना है। रामायण इसका सजीव उदाहरण है; रामजी के मित्र सुग्रीव, निषादराज, विभीषण और हनुमान भिन्न समाजों से थे, परंतु सब समान सम्मान के पात्र थे। भारतीय संस्कृति ने कभी जन्म, वर्ग या वर्ण के आधार पर श्रेष्ठता नहीं मानी। यहाँ कर्म और गुण ही पहचान हैं। इसलिए चाहे वनवासी हों या नगरवासी, किसान हों या व्यापारी, सब एक-दूसरे के पूरक हैं। जिस प्रकार वृक्ष की शाखाएँ अलग-अलग दिशाओं में फैलती हैं, पर मूल एक ही होता है, उसी प्रकार विविध समाज और समुदाय मिलकर एक ही मानवता का वृक्ष बनाते हैं।

दीपोत्सव - केवल रोशनी नहीं, सामाजिक नवजीवन

दीपावली के दिनों में केवल घर नहीं, पूरा समाज आलोकित होता है। यह बाहरी स्वच्छता के साथ भीतरी शुद्धता का प्रतीक है। पुरानी वस्तुओं को हटाना, नई चीज़ों को लाना, यह केवल भौतिक क्रिया नहीं बल्कि नवजीवन का संकेत है। दीपावली के माध्यम से समाज में श्रम का सम्मान, सहयोग की भावना और सामूहिक प्रगति का आदर्श स्थापित होता है। यह केवल धन या सौभाग्य का उत्सव नहीं, बल्कि आत्मबल, विश्वास और परस्पर जुड़ाव का पर्व है।

रामायण का सन्देश और आज का समाजयुग बदल गए, परंतु रामायण का यह सन्देश आज भी प्रासंगिक है। विजयादशमी से दीपावली तक का यह काल हमें याद दिलाता है कि समाज का सच्चा बल संगठन, प्रेम और परस्पर सहयोग में है। यदि समाज विभाजित होगा, तो दानवी शक्तियाँ प्रबल होंगी; यदि संगठित रहेगा, तो सुसंस्कृत जीवन सुरक्षित रहेगा। आज भी जब हम दीप जलाते हैं, तो केवल श्रीराम की अयोध्या वापसी नहीं, बल्कि उसी एकता और समरसता की ज्योति जलाते हैं जो भारत की आत्मा है। दीपावली का यह प्रकाश हमें याद दिलाता है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह कारीगर हो, किसान हो, व्यापारी हो या गृहिणी राष्ट्र के इस दीपोत्सव का समान सहभागी है।

अत- विजयादशमी से दीपावली तक के बीस दिन केवल धार्मिक या पौराणिक महत्व के नहीं हैं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से यह आत्मसात करने का काल है। यही अवधि हमें सिखाती है कि उत्सव का अर्थ केवल आनंद नहीं, बल्कि परिश्रम, सहयोग और समरसता है। रामजी ने लंका विजय के बाद जिस एकात्मता का संदेश दिया, वही आज दीपावली की तैयारी में झलकता है; सब एक-दूसरे के पूरक हैं, सबकी आवश्यकता है, और सबका सम्मान समान है। यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है, यही राष्ट्र की शक्ति है। इस प्रकार दशहरा और दीपावली के बीच के ये बीस दिन केवल दो पर्वों के बीच का अंतराल नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र और समाज को एक सूत्र में बाँधने की जीवंत अवधि हैं, जो हमें यह सिखाती है कि जब सब एक-दूसरे के दीप बन जाएँ, तभी सच्ची दीपावली होती है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

मंगोलिया से सामरिक साझेदारी कर मोदी ने चीन और रूस के प्रभाव को संतुलित कर दिया

मोदी ने नालंदा और गंदन मठ को जोड़ने की पहल का जिक्र करते हुए इस ऐतिहासिक संबंध में नई ऊर्जा लाने की बात कही।हम आपको बता दें कि सिर्फ सांस्कृतिक सहयोग ही नहीं, भारत ने मंगोलिया के विकास में भी एक स्थायी और भरोसेमंद साझेदार के रूप में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के बीच हुई वार्ता ने भारत और मंगोलिया के बीच द्विपक्षीय रिश्तों की गहराई और बहुआयामी महत्व को पुनः रेखांकित किया है। यह बैठक केवल औपचारिक कूटनीतिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि यह दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामरिक संबंधों को नई ऊर्जा देने का प्रयास थी। वार्ता के दौरान दोनों देशों ने मानवतावादी सहायता, मंगोलिया में सांस्कृतिक धरोहर स्थलों के पुनरुद्धार, आव्रजन, भूविज्ञान और खनिज संसाधनों, सहकारी समितियों के विकास और डिजिटल समाधानों के साझा उपयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके अतिरिक्त, भारत और मंगोलिया के 70 वर्षों के द्विपक्षीय संबंधों की स्मृति में एक संयुक्त डाक टिकट भी जारी किया गया। ये पहलें स्पष्ट रूप से दिखाती हैं कि दोनों देशों का सहयोग अब केवल कूटनीतिक या आर्थिक नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और तकनीकी क्षेत्रों तक भी विस्तृत हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत मंगोलियाई नागरिकों को मुफ्त ई-वीज़ा प्रदान करेगा और मंगोलिया के युवा सांस्कृतिक दूतों के वार्षिक दौरे का प्रायोजन भी करेगा। प्रधानमंत्री ने इसे सिर्फ कूटनीतिक कदम के रूप में नहीं बल्कि 卐आत्मिक और आध्यात्मिक卐 संबंधों के प्रतीक के रूप में बताया। यह ध्यान देने योग्य है कि मंगोलिया में बौद्ध धर्म के विकास में नालंदा विश्वविद्यालय का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मोदी ने नालंदा और गंदन मठ को जोड़ने की पहल का जिक्र करते हुए इस ऐतिहासिक संबंध में नई ऊर्जा लाने की बात कही।हम आपको बता दें कि सिर्फ सांस्कृतिक सहयोग ही नहीं, भारत ने मंगोलिया के विकास में भी एक स्थायी और भरोसेमंद साझेदार के रूप में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। भारत की 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट से मंगोलिया में तेल रिफाइनरी परियोजना का निर्माण हो रहा है, जो मंगोलिया की ऊर्जा सुरक्षा को नई दिशा देगा। मंगोलियाई राष्ट्रपति ने इस परियोजना में भारत के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया और डिजिटल सहयोग पर हस्ताक्षरित समझौते को भी ऐतिहासिक करार दिया।

सामरिक दृष्टि से, मंगोलिया के साथ मजबूत संबंध भारत के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। मंगोलिया, चीन और रूस के बीच स्थित एक भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र है। इस क्षेत्र में स्थिर और विश्वसनीय साझेदार के रूप में भारत की मौजूदगी, चीन और रूस के प्रभाव को संतुलित करने में मदद कर सकती है। इसके अतिरिक्त, मंगोलिया में भारत की ऊर्जा और डिजिटल परियोजनाओं की भागीदारी न केवल आर्थिक लाभ देती है, बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग को भी सुदृढ़ बनाती है। भारत और मंगोलिया के बीच सहयोगी खनिज और भूविज्ञान परियोजनाएं, दोनों देशों को प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण लाभ देती हैं।

मंगोलियाई राष्ट्रपति की चार दिवसीय भारत यात्रा का औपचारिक कार्यक्रम भी इस रिश्ते की गंभीरता को दर्शाता है।

राष्ट्रपति ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ मुलाकात एवं भोज का भी उनका कार्यक्रम रहा। उनके साथ उच्चस्तरीय मंत्रियों, सांसदों, वरिष्ठ अधिकारियों, व्यवसायिक नेताओं और सांस्कृतिक प्रतिनिधियों की टीम भी है। यह भारत-मंगोलिया संबंधों में राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विमाओं के समन्वय का प्रतीक है।

देखा जाये तो भारत-मंगोलिया संबंध सिर्फ कूटनीतिक प्रोटोकॉल नहीं हैं; ये एक दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी का संकेत हैं। भारत के लिए मंगोलिया केवल एक पारंपरिक मित्र देश नहीं, बल्कि एक भू-राजनीतिक सहयोगी है, जिसके माध्यम से क्षेत्रीय स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल साझेदारी को मजबूत किया जा सकता है। साथ ही, यह साझेदारी भारत को उत्तर और मध्य एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर देती है।

इस तरह, मोदी और खुरेलसुख की नई पहलें केवल वर्तमान सहयोग की पुष्टि नहीं करतीं, बल्कि भविष्य की रणनीतिक साझेदारी की नींव भी रखती हैं। मानवतावादी सहायता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, तकनीकी सहयोग और ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से भारत और मंगोलिया का संबंध अब न केवल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत प्रासंगिक हो गया है। यह यात्रा और समझौते इस ऐतिहासिक बंधन को और अधिक मज़बूत और बहुआयामी बनाते हैं।

बहरहाल, भारत और मंगोलिया का रिश्ता केवल आधिकारिक या औपचारिक नहीं है; यह एक गहरी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामरिक साझेदारी है। ऐसे रिश्ते न केवल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि भारत को एशिया में अपनी रणनीतिक और आर्थिक उपस्थिति मजबूत करने में भी सहायक हैं।

सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के खिलाड़ियों ने 69वीं प्रदेशीय विद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता में लहराया मुरादाबाद का परचम

एजेंसी

मुरादाबा। गोरखपुर के रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में 7 से 11 अक्टूबर तक आयोजित 69वीं प्रदेशीय विद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता में मुरादाबाद के पहलवानों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। मुरादाबाद के नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में कुल छह पदक अपने नाम किए हैं। इनमें एक स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। स्टेडियम के खिलाड़ियों के लिए सोनकपुर स्टेडियम में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में सबसे शानदार प्रदर्शन अंडर-14 बालिका वर्ग की खिलाड़ी दिव्या ने किया जिन्होंने 30 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर प्रतियोगिता में मुरादाबाद का झंडा ऊंचा किया। इसी वर्ग में सारा ने 36 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। अंडर-17 बालिका वर्ग में निशी गुर्जर ने 50 किग्रा वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। वहीं अंडर-17 बालक वर्ग (फ्री स्टाइल) में अयान खान ने 45 किग्रा भार वर्ग मेंशानदार मुकाबला कर रजत पदक अपने नाम किया। अंडर-17 ग्रीको-रोमन शैली में नकुल चौहान (60 किग्रा) और अभिजीत विश्नोई (65किग्रा) ने बेहतरीन संघर्ष करते हुए कांस्य पदक जीते। इसके अलावा शादाब खान, दिक्षित पवार, नकुल और दियांशु पाल ने भी अपने-अपने भार वर्गों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन पदक जीतने में नाकाम रहे।

फुटबॉल टूर्नामेंट में डियो जुवांते एफसी ने इनकंप्लीट एफसी को हराया

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में टाटा स्टील की ओर से जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपने पहले 6-ए-साइड फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। टूर्नामेंट में 10 टीमों और 90 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिन्होंने गति, कौशल और रणनीति का रोमांचक प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की शुरुआत रात पांच-पांच टीमों के दो पूलों के बीच राउंड-रॉबिन प्रारूप में हुई, जिसके बाद रोमांचक नॉकआउट राउंड्स हुए, जिन्होंने दर्शकों को अंतिम सीटी तक बांधे रखा। रोमांचक फाइनल मुकाबले में डियो जुवांते एफसी ने शानदार खेल दिखाते हुए इनकंप्लीट एफसी को पराजित कर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया, जबकि इनकंप्लीट एफसी उपविजेता रही। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सूरज कुमार गुप्ता (डियो जुवांते एफसी) रहे। वहीं टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर शादाब खान (इनकंप्लीट एफसी) और सर्वाधिक पांच गोल करने वाले खिलाड़ी अफरीदी (जेएफएफ एफसी) रहे।

एक समय था जब हॉकी में उतनी ही रुचि थी, जितनी आज क्रिकेट में है : अशोक कुमार

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरा होने पर म्यूनिख ओलंपिक 1972 और विश्वकप विजेता टीम का हिस्सा रहे अशोक कुमार ने कहा कि पहली बार ओलंपिक में खेलने पर दुनिया ने हमारे कौशल और प्रतिभा को देखा और वहीं हमारी हॉकी टीम का शानदार सफर शुरु हुआ। उन्होंने कहा, एक समय था जब हॉकी में उतनी ही रुचि थी, जितनी आज क्रिकेट में है।भारतीय हॉकी को कई वर्षों और दशकों तक स्वर्णिम मानक माना जाता रहा है। ओलंपिक खेलों में 8 स्वर्ण पदक, 1 रजत और 4 कांस्य पदक यानी कुल 13 पदक जीतकर, भारत ने सचमुच मानक स्थापित कर दिए हैं। जिस व्यक्ति ने इसे लंबे समय तक बेहद करीब से देखा, वह हैं अशोक कुमार, जो 1972 में म्यूनिख ओलंपिक पदक विजेता और 1975 में विश्व कप विजेता रहे। वह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के पुत्र भी हैं। 1928 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता और 1956 तक भारतीय पुरुष हॉकी टीम ओलंपिक में अपराजित रही और लगातार छह स्वर्ण पदक जीते। अतीत को याद करते हुए अशोक कुमार ने हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा कि 1928 के ओलंपिक से पहले भी भारतीय पुरुष हॉकी टीम अच्छी हॉकी खेल रही थी। जब हमने पहली बार ओलंपिक खेला तो ध्यानचंद उस टीम का हिस्सा थे। यहीं से भारत में हॉकी का शानदार सफर शुरू हुआ। हमने दुनिया को अपनी कौशल और प्रतिभा को दिखाया।

कर्नल सीके नायडू ट्राफी के लिए हिमाचल की टीम घोषित, मृदुल सरोच को टीम की कमान

धर्मशाला। बीसीसीआई कर्नल सीके नायडू ट्राफी एलीट ग्रुप 2025-26 के लिए हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने अंडर-23 पुरुष टीम घोषित कर दी है। 18 सदस्यीय टीम की कमान बतौर कैप्टन मृदुल सरोच को सौंपी गई है। हिमाचल की टीम बिलासपुर में अपना पहला मैच 16 अक्टूबर से उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेलेगी। एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने बताया कि टीम में कैप्टन मृदुल सरोच, अनिकेत, प्रशांत कुमार, साहिल शर्मा, अजुल जसवाल, रिशित ठाकुर, प्रवल प्रताप, रितिक, दक्ष नारायण, सुशांत सिंह ठाकुर, चिराग शर्मा, आदित्य चौहान, कबीर सिंह, नमन वर्मा, वैभव काल्टा, अमनप्रीत, दीप सिंह व राघव अंगरा शामिल हैं। इसके अलवा सपोर्टिंग स्टाफ में अनुज पाल दास हेड कोच, गुरविंद्र सिंह बॉलिंग कोच, राहुल शर्मा फील्डिंग कोच, प्रताप सिंह फिजियो, निशांत चौहान ट्रेनर, निशांत शर्मा वीडियो एनालिस्ट, मेसर श्याम नरेश व साइड आर्म शिलेमन रोशन शामिल हैं। अवनीश परमार ने बताया कि एचपीसीए टीम ट्राफी के तहत खेले जाने वाले चार दिवसीय मुकाबलों में 16 से 19 अक्टूबर तक बिलासपुर में उत्तर प्रदेश के साथ, 26 से 29 अक्टूबर तक देहरादून में उत्तराखंड, 2 से 5 नवंबर तक बिलासपुर में चंडीगढ, 30 जनवरी से 2 फरवरी 2026 तक राजकोट में रेलवे, 6 से 9 फरवरी तक रायपुर में छत्तीसगढ़ और 13 से 16 फरवरी तक अमतर में कर्नाटक के खिलाफ मैच खेलेगी।

भारत ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया, 2 मैचों की सीरीज 2-0 से जीती

एजेंसी

नई दिल्ली। केएल राहुल (58) के बेहतरीन नाबाद अर्धशतक की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को यहां अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में पांचवें दिन मंगलवार को 7 विकेट से हराकर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। भारत ने अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट में एक पारी और 140 रन से शिकस्त दी थी। पांचवें दिन जीत के लिए भारत को 58 रन की जरूरत थी। भारत को साईं सुदर्शन और और केएल राहुल ने धीमी शुरुआत दिलाई। हालांकि 88 के कुल स्कोर पर सुदर्शन 39 रन बनाकर रोस्टन चेज की गेंद पर आउट हुए, स्लिप में शे होप ने उनका बेहतरीन कैच पकड़ा। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने तेजी से रन बनाकर जल्दी से मैच खत्म करने की कोशिश, इस दौरान राहुल ने अपना अर्धशतक पूरा किया। टीम जब लक्ष्य

से 13 रन दूर थी, गिल बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में रोस्टन चेज का शिकार बने। गिल ने 13 रन बनाए। इसके बाद ध्रुव जुरेल और राहुल ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया। राहुल ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। केएल राहुल 58 और जुरेल 6 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत ने 3 विकेट पर 124 रन बनाकर जीत हासिल की। वेस्टइंडीज के लिए रोस्टन चेज ने 2 और जोमेल वारिकन ने 1 विकेट लिया। इससे पहले चौथे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 121 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 63 रन पर 1 विकेट खो दिया था। साई सुदर्शन 30 और केएल राहुल 25 रन बनाकर नाबाद थे। वॉरिकन ने यशस्वी जायसवाल को 7 रन पर आउट किया। इससे पहले भारत ने पहली पारी 518/5 पर घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 248 रन पर सिमटी। फॉलोऑन के बाद मेहमान टीम ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए दूसरी पारी में 390 रन बनाए। जॉन कैंपबेल ने शतक (115) और शाई होप ने 103 रन की पारी खेली। आखिरी विकेट के लिए ग्रेव्स (50*) और सील्स ने 79 रनों की साझेदारी कर भारत को चौथे दिन मैच खत्म करने से रोक दिया।

पीवीएल 2025 : बेंगलुरु टॉरपीडोज ने चेन्नई ब्लिट्ज को हराकर दर्ज की लगातार चौथी जीत

एजेंसी

हैदराबाद। आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग पावर्ड बाय स्कैपिया के मुकाबले में बेंगलुरु टॉरपीडोज ने चेन्नई ब्लिट्ज को 17-15, 14-16, 17-15, 16-14 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज की। टॉरपीडोज के जोएल बेंजामिन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच की शुरुआत चेन्नई ने शानदार ढंग से की। कप्तान जेरोम विनीथ और लुईज फेलिप पेरोटो की अगुवाई में ब्लिट्ज ने तेज और आक्रामक खेल दिखाया। तरुण गौड़ा ने सेटर समीर के साथ मिलकर टीम के अटैक्स को और प्रभावी बनाया। बेंगलुरु ने जोएल बेंजामिन और सेथु पर भरोसा जताते हुए जवाबी हमले शुरू किए। मुजीब, जिष्णु और नितिन मिन्हास ने मध्य क्षेत्र में दबदबा बनाकर टीम को मजबूती दी। जैसे ही टॉरपीडोज का डिफेंस बेहतर काम करने लगा, चेन्नई को अपने अटैक्स को सही ढंग से अंजाम देने में मुश्किल होने लगी। लिबरो मिधुनकुमार ने शानदार डिफेंस किया, जबकि कप्तान मैथ्यू वेस्ट ने पासों के सही निशाने से टीम को जोड़ रखा। चेन्नई के जेरोम और पेरोटो ने वापसी की कोशिश जारी रखी। टॉरपीडोज की कुछ अनफोर्स्ड एरर्स से ब्लिट्ज को मौका मिला, लेकिन ब्लॉकर आदित्य राणा की कोर्ट पर मौजूदगी ने टॉरपीडोज को आत्मविश्वास बनाए रखने में मदद की। महत्वपूर्ण मोड़ पर पेनरोज ने टीम को बढ़त दिलाई और कोच डेविड ली के दो स्मार्ट रिव्यू कारगर साबित हुए। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, पेनरोज का आत्मविश्वास और बढ़ा और उन्होंने टीम के लिए निर्णायक गोल किए।

पर्थ वनडे से बाहर हुए एडम ज़म्पा और इंग्लिस, कूहनेमन और फिलिप को मौका

एजेंसी

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम ज़म्पा और विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंग्लिस भारत के खिलाफ पर्थ में होने वाले पहले वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मैथ्यू कूहनेमन और जॉश फिलिप को टीम में शामिल किया गया है। ज़म्पा पारिवारिक कारणों से टीम से बाहर हैं क्योंकि उनकी पत्नी हैरियट गर्भावस्था के अंतिम चरण में हैं और डिलीवरी की तारीख नज़दीक है। पर्थ से घर वापस लौटना कठिन होने के कारण ज़म्पा ने न्यू साउथ वेल्स में ही रहने का फैसला किया है। वे संभवतः एडिलेड और सिडनी में होने वाले दूसरे और तीसरे वनडे में टीम से जुड़ेंगे। इसके बाद होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज़ में उनके खेलने की पूरी संभावना है।

वहीं, इंग्लिस पिंडली (काफ़) की चोट से उबर नहीं पाए हैं, जो उन्हें न्यूजीलैंड दौरे से पहले लगी थी। इसी कारण वे पहले वनडे से बाहर हैं। इंग्लिस एडिलेड में होने वाले दूसरे वनडे से भी बाहर रहेंगे, लेकिन टीम

प्रबंधन को उम्मीद है कि वे 25 अक्टूबर को सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे तक फिट हो जाएंगे।

मैथ्यू कूहनेमन तीन साल बाद वनडे टीम में वापसी करेंगे। उन्होंने आखिरी बार 2022 में श्रीलंका में वनडे खेला था। वे पूरे विंटर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ विभिन्न दौरों पर रहे, लेकिन इस दौरान उन्हें केवल एक ही टी20 मैच में मौका मिला। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने हाल ही में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, उन्होंने तीन वनडे मैचों में 4 विकेट लिए और 56 रनों की शानदार पारी खेली। जॉश फिलिप को पर्थ वनडे में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दी जाएगी क्योंकि एलेक्स कैरी शील्ड मैच खेलने के लिए एडिलेड में रहेंगे। फिलिप ने आखिरी बार 2021 में वेस्टइंडीज दौरे पर वनडे खेला था।

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने की ट्रैक एथलीट ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स के लिए नामित खिलाड़ियों की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अवॉर्ड्स 2025 के तहत विमेंस ट्रैक एथलीट ऑफ द ईयर और मेंस ट्रैक एथलीट ऑफ द ईयर श्रेणियों के लिए नामित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इन दोनों श्रेणियों में पांच-पांच खिलाड़ियों को नामित किया गया है। अब वोटिंग प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्येक श्रेणी में दो-दो फाइनलिस्ट चुने जाएंगे। यह नामांकन साल 2025 में विश्व एथलेटिक्स में दर्ज कुछ शानदार प्रदर्शनों को दर्शाता है, जिनमें सबसे अहम रहा वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025।

नामित खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है:

विमेंस ट्रैक एथलीट ऑफ द ईयर 2025 के लिए नामांकित खिलाड़ी (क्रमानुसार):

फेम्के बोल (नीदरलैंड्स):

वर्ल्ड और डायमंड लीग 400 मीटर हर्डल्स चैंपियन।

400 मीटर हर्डल्स में पूरे सीजन अजेय, साल के शीर्ष तीन प्रदर्शन इन्हीं के नाम।

बीट्रिस चेबेट (केन्या):

वर्ल्ड 5000 मीटर और 10,000 मीटर चैंपियन

वर्ल्ड 5000 मीटर रिकॉर्ड।

मेलिसा जेफरसन-वूडेन (यूएसए)

वर्ल्ड 100 मीटर, 200 मीटर और 4×100 मीटर चैंपियन

100 मीटर में पूरे सीजन अजेय, साल के शीर्ष पांच प्रदर्शन।

फेथ किपयेगॉन (केन्या):

वर्ल्ड 1500 मीटर चैंपियन और 5000 मीटर सिल्वर

वर्ल्ड 1500 मीटर रिकॉर्ड

सिडनी मैकलॉफलिन-लेवरॉन (यूएसए):

वर्ल्ड 400 मीटर और 4×400 मीटर चैंपियन

400 मीटर और 400 मीटर हर्डल्स में अजेय, इतिहास का दूसरा सबसे तेज 400 मीटर समय।

मेंस ट्रैक एथलीट ऑफ द ईयर 2025 के लिए नामांकित खिलाड़ी (क्रमानुसार):

राय बेंजामिन (यूएसए)

वर्ल्ड 400 मीटर हर्डल्स चैंपियन

साल के तीन में से दो शीर्ष प्रदर्शन

जिमी ग्रेसियर (फ्रांस)

वर्ल्ड 10,000 मीटर चैंपियन और 5000 मीटर ब्रॉन्ज मेडलिस्ट

डायमंड लीग 3000 मीटर चैंपियन

नोआ लायल्स (यूएसए)

वर्ल्ड 200 मीटर और 4×100 मीटर चैंपियन, 100 मीटर ब्रॉन्ज

200 मीटर में पूरे सीजन अजेय

कॉर्डेल टिंच (यूएसए)

वर्ल्ड और डायमंड लीग 110 मीटर हर्डल्स चैंपियन

इमैनुएल वान्योनी (केन्या)

वर्ल्ड और डायमंड लीग 800 मीटर चैंपियन।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सेहरावत ने डब्ल्यूएफआई से एक साल का प्रतिबंध हटाने की अपील की, गलती मानी

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता पहलवान अमन सेहरावत ने अपने ऊपर लगाए गए एक साल के प्रतिबंध को हटाने की अपील की है। विश्व चैंपियनशिप में वजन बनाने में विफल रहने के बाद डब्ल्यूएफआई (डब्ल्यूएफआई) ने उन पर यह कार्रवाई की थी।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में अमन ने स्वीकार किया कि उनसे गलती हुई और यह उनकी पहली चूक है। उन्होंने कहा कि वे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मिलकर निर्णय पर पुनर्विचार करने की व्यक्तिगत अपील करेंगे। अमन ने कहा, मैं उनसे (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष) मिलकर अनुरोध करूंगा। यह मेरी पहली गलती है, दोबारा नहीं होगी। डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर 2025 को अमन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। 29 सितंबर को उनका जवाब 'असंतोषजनक' पाए जाने के बाद अनुशासन समिति ने एक साल

का प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की। अमन ने बताया कि प्रतियोगिता से एक दिन पहले अचानक पेट दर्द के कारण वे वजन घटाने की प्रक्रिया जारी नहीं रख पाए। उन्होंने कहा, मेरे पास केवल 600-700 ग्राम वजन घटाना बाकी था। लेकिन अचानक पेट में दर्द हो गया और मैं सीधा कमरे में चला गया। दवाइयां लेने के बाद भी तबीयत में सुधार नहीं हुआ।, 22 वर्षीय अमन विश्व चैंपियनशिप में 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में भारत की पदक उम्मीद थे, लेकिन 1.7 किग्रा अधिक वजन होने के कारण प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित कर दिए गए। इसके बाद डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर से शुरू होकर एक साल के लिए उन पर प्रतिबंध लगा दिया। अमन ने कहा कि इस प्रतिबंध से उनके करियर पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, आने वाले साल में एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप जैसे बड़े टूर्नामेंट हैं। एशियाई खेल चार साल में एक बार होते हैं। इस मौके को गंवाना मेरे लिए बहुत बड़ी हानि होगी। उन्होंने कहा कि वे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष से मुलाकात के साथ-साथ खेल मंत्रालय से भी मदद मांगने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, हम पूरी कोशिश करेंगे। खेल मंत्रालय से भी अनुरोध करेंगे। गौरतलब है कि अमन सेहरावत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था और वे देश के उभरते हुए पहलवानों में से एक माने जाते हैं। उनका अगला लक्ष्य एशियन चैंपियनशिप 2026 और एशियाई खेल 2026 में पदक जीतना है।

प्री नेशनल पिस्टल राइफल टूर्नामेंट में मुरादाबाद के रिदित यादव का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी

मुरादाबाद। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के तत्वावधान में देहरादून में आयोजित नॉर्थ जोन/प्री नेशनल पिस्टल राइफल टूर्नामेंट में मुरादाबाद के कांठ तहसील निवासी रिदित यादव ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए नेशनल चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई किया है। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में 5 से 16 अक्टूबर तक देहरादून के

महाराणा स्पोर्ट्स कॉलेज की त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित हो रही नॉर्थजोन/प्री-नेशनल पिस्टल/राइफल टूर्नामेंट में सबयूथ कैटेगरी में मुरादाबाद की कांठ तहसील के अकबरपुर सिहाली निवासी रिदित यादव (13 वर्ष) ने हुए मैच में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए नेशनल चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है। रिदित यादव के पिता मनेंद्र सिंह 'मनी यादव' व माता नीशू यादव पेशे से बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक है।

दिल्ली में आईओए ने 2024 पेरिस ओलिंपिक पदक विजेताओं का किया सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने दिल्ली के ताज मन सिंह होटल में 2024 पेरिस ओलिंपिक में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों का विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में आईओए की अध्यक्ष डॉ पी.टी. उषा, युवा एवं खेल मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, प्रायोजक और खेल जगत की प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।समारोह में भारत के उन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने पेरिस 2024 ओलिंपिक में देश का नाम गर्व के साथ रोशन किया। इस बार भारत ने ओलिंपिक में कुल छह पदक जीते, जिनमें एक रजत और पांच कांस्य रहा। जैवलिन थ्रो में नेराज चोपड़ा ने टोक्यो ओलिंपिक की सफलता को दोहराते हुए रजत पदक जीता, जबकि निशानेबाज मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में और मिश्रित टीम इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ दो कांस्य पदक अपने नाम

किए। शूटर स्वप्निल कुसेले ने पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक हासिल किया। युवा पहलवान अमन सेहरावत ने पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे युवा ओलंपिक पदक विजेताओं में अपना नाम दर्ज किया। वहीं, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने तीसरे स्थान के मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीतकर लौट आई।समारोह में आईओए ने सभी पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। नेराज चोपड़ा को 75 लाख, मनु भाकर को 50 लाख और 37.5 लाख, सरबजोत सिंह को 37.5 लाख, स्वप्निल कुसेले और अमन सेहरावत को ?50 लाख, जबकि पुरुष हॉकी टीम को मुख्य खिलाड़ी 10 लाख और रिजर्व खिलाड़ी 5 लाख प्रदान किए गए। उनके कोचों डॉ क्लॉस एरिच बार्टोनीत्ज, जसपाल राणा, अभिषेक राणा, दीपाली देशपांडे, अली शाबानोव और क्रेग फुल्टन को भी उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। डॉ पी.टी. उषा ने कहा, मैं अपने सभी पदक विजेताओं को दिल से बधाई देती हूं। आपकी उपलब्धियों ने देश को अपार गर्व और खुशी दी है। आप भारतीय युवा की समर्पण, धैर्य और असीम संभावनाओं के प्रतीक हैं। जिन्होंने पदक नहीं जीते, उनके प्रयास और साहस भी हमें प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का समापन आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने किया और उन्होंने सभी विशिष्ट अतिथियों, खेल महासंघों, प्रायोजकों और भारतीय जनता को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

सब जूनियर की राष्ट्रीय जूडो चैंपियनशिप 2025 की टीम में मुरादाबाद के मनमीत व सुहानी ने बनाई जगह

एजेंसी

मुरादाबाद। जूडो के अंतरराष्ट्रीय रेफरी संजय गिरि ने बताया कि उत्तर प्रदेश जूडो एसोसिएशन के तत्वावधान में 12 अक्टूबर को इंडियन पारा जूडो अकादमी लखनऊ में उत्तर प्रदेश सब जूनियर जूडो टीम का चयन किया गया। चयनित टीम हैदराबाद में आयोजित होने वाली सब जूनियर की राष्ट्रीय चैंपियनशिप्स 2025 में प्रतिभाग करेगी। चैंपियनशिप में मुरादाबाद के जूडो खिलाड़ी मनमीत सिंह, सुहानी राय चयनित हुई हैं। इसके अलावा मुरादाबाद की आकृति सारस्वत दिल्ली में आयोजित होने वाली स्कूल नेशनल टूर्नामेंट में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की जूडो टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। संजय गिरी ने आगे बताया कि भारतीय जूडो महासंघ की ओर से आयोजित सब जूनियर की राष्ट्रीय चैंपियनशिप्स 2025 जो 16 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। चयनित उत्तर प्रदेश सब जूनियर जूडो टीम इसमें प्रतिभाग करेगी। दो जूडो खिलाड़ी मनमीत

सिंह 40 किग्रा और सुहानी राय 44 किग्रा सब जूनियर नेशनल में प्रतिभाग करेंगे। इसके अलावा आकृति सारस्वत 44 किग्रा भर वर्ग में स्कूल नेशनल जो दिल्ली में आयोजित होगा, में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की जूडो टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। यह तीनों खिलाड़ी एसडीएम इंटर कालेज मुरादाबाद की एसडीएम जूडो अकादमी में संजय गिरि अंतरराष्ट्रीय रेफरी और जूडो कोच (yth डॉन ब्लैक बेल्ट) की देखरख में जूडो प्रैक्टिस करते है। तीनों छात्राओं की इस उपलब्धि पर एसडीएम इंटर कॉलेज के प्रबंधक प्रेमवीर सिंह, प्रधानाचार्य उदयराज सिंह, सुमित यादव, निशांत सिंह, पिंटू सैनी, सपना कश्यप, शिवानी कुमारी, प्रिय दिवाकर आदि ने बधाई दी और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

अंडर-19 वर्ग जिलास्तरीय एथलेटिक्स मीट में कंडबाडी स्कूल ने ओवरआल ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला के सिंथेटिक ट्रैक व इनडोर स्टेडियम में आयोजित अंडर-19 छात्र व छात्रा वर्ग की जिलास्तरीय एथलेटिक्स मीट एवं इनडोर गेम्स संपन्न हो गई। एथलेटिक्स के छात्र व छात्रा वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कंडबाड़ी ने ओवरआल ट्रॉफी पर कब्जा किया। वहीं छात्र वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटला जबकि छात्रा वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कंडबाड़ी ने ओवर आल विजेता का खिताब हासिल किया। इसके अलावा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटला का साहिल छात्र वर्ग में जबकि छात्रा वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कंडबाड़ी की आरूषि को वेस्ट एथलीट चुना गया। समापन समारोह में राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला धर्मशाला के प्रिंसिपल यशपाल मनकोटिया ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और विजेताओं को पुरस्कृत किया। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता के अन्य मुकाबलों की बात की जाए, तो छात्रा वर्ग की टेबल टेनिस में रेनबो इंटरनेशनल स्कूल नगरोटा बगवां विजेता जबकि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटला उपविजेता रहा। छात्रा वर्ग की चेस प्रतियोगिता में सिहोरपाई स्कूल विजेता बना। बैडमिंटन में नूरपुर जोन विजेता जबकि देहरा जोन उपविजेता बना। योगा में पालमपुर स्कूल विजेता जबकि राजपुर स्कूल उपविजेता रहा।

पहले एशेज टेस्ट में खेलने की संभावना कमः पैट कमिंस

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने संकेत दिया है कि इंग्लैंड के खिलाफ 21 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में उनके खेलने की संभावना कम है। कमिंस फिलहाल अपनी कमर की चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं और उन्होंने हाल ही में दौड़ना शुरू किया है।

सितंबर की शुरुआत में कमिंस की कमर में लंबर बोन स्ट्रेस की समस्या सामने आई थी। तब से उन्होंने एक भी गेंद नहीं फेंकी है। वह आखिरी बार जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेले थे। सिडनी में फॉक्स क्रिकेट सीजन लॉन्च इवेंट में कमिंस ने कहा, ÷मैं कहूंगा कि पहले टेस्ट में खेलने की संभावना कम है। लेकिन अभी थोड़ा समय बाकी है। मैं आज दौड़ रहा हूं और हर दूसरे दिन रनिंग कर रहा हूं। अगले हफ्ते से बॉलिंग की तैयारी शुरू होगी। शायद दो हफ्तों में फिर से स्पाइक्स पहनकर नेट्स में उतरूं। उन्होंने कहा, टेस्ट खेलने के लिए शरीर को पूरी तरह तैयार करने में कम से कम एक महीने का समय चाहिए। अगर आप टेस्ट मैच में खेलना चाहते हैं तो आपको तैयार रहना होगा कि दिन में 20 ओवर गेंदबाजी कर सकें। चार हफ्ते काफी कम समय है लेकिन संभव है। कमिंस ने बताया कि उनकी पीठ अब काफी बेहतर महसूस कर रही है। उन्होंने कहा, कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मैं झुंझलाता हूं क्योंकि यह एशेज है और बड़ा समर है। लेकिन फिर सोचता हूं कि पिछले सात-आठ साल से मैंने लगभग बिना रुकावट घरेलू समर खेले हैं। शायद अब मेरी बारी है थोड़ी मुश्किल झेलने की। कमिंस ने माना कि दौड़ने से गेंदबाजी तक

का सफर धीरे-धीरे तय होगा। इसके लिए उन्हें विशेष जिम वर्क और बॉडी को तैयार करने में समय लगेगा।

उन्होंने कहा, अब दर्द नहीं है, बस वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहा हूं ताकि शरीर सही प्रतिक्रिया दे।ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने पिछले हफ्ते कहा था कि कमिंस की उपलब्धता पर फैसला शुक्रवार को लिया जा सकता है। कोच को भरोसा है कि भले ही कमिंस पहला टेस्ट न खेलें, लेकिन वह एशेज सीरीज में किसी न किसी चरण में वापसी करेंगे। कमिंस ने कहा कि वह चोट से निराश तो हैं लेकिन भविष्य को लेकर आशावादी भी हैं।

उन्होंने कहा, यह चोट मुझे सात-आठ साल बाद हुई है। मैं जानता हूं कि एक बार ठीक हो जाने पर यह मुझे लंबे समय तक परेशान नहीं करेगी। आने वाले वर्षों में और ज्यादा क्रिकेट खेलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि एशेज सीरीज का पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। कमिंस की गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क पर अतिरिक्त जिम्मेदारी आ सकती है।

सरकार ने सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने के लिए कर्मचारी नामांकन अभियान शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने 'कर्मचारी नामांकन अभियान' (ईईसी 2025) शुरु किया। यह पहल सेवानिवृत्ति निधि का प्रबंधन करने वाले निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के जरिए श्रमिकों को संगठित सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए की गई है।श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के मुताबिक यह योजना एक नवंबर से 30 अप्रैल, 2026 तक लागू रहेगी। यह अभियान सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत कर्मचारियों के नामांकन को बढ़ावा देने और नियोक्ताओं को पिछले रिकॉर्ड को नियमित करने में मदद करने के लिए है। मंत्रालय ने कहा कि 2009 से 2016 तक छूटे हुए पात्र कर्मचारियों के नामांकन के लिए 2017 में इसी तरह का नामांकन अभियान चलाया गया था। मौजूदा अभियान उसी कड़ी में अगला कदम है। इस अभियान का मकसद नियोक्ताओं को स्वेच्छा से पात्र कर्मचारियों की घोषणा और नामांकन के लिए प्रोत्साहित करना है। मंत्रालय के मुताबिक नियोक्ता उन सभी मौजूदा कर्मचारियों का नामांकन कर सकते हैं, जो एक जुलाई, 2017 और 31 अक्टूबर के बीच प्रतिष्ठान में शामिल हुए हैं, लेकिन किसी वजह से पहले ईपीएफ योजना में नामांकित नहीं थे। इसके तहत एक बड़ी राहत के रूप में पिछली अवधि (एक जुलाई, 2017 से 31 अक्टूबर तक) के लिए कर्मचारी के भविष्य निधि अंशदान का हिस्सा को माफ कर दिया जाएगा।

भारतीय दल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के लिए फिर इस हफ्ते जाएगा अमेरिका

नई दिल्ली। प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह अमेरिका की यात्रा पर जाएगा। दोनों पक्ष इस समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं। प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच आगामी बातचीत एक प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर केंद्रित है। एक रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि दोनों पक्ष समझौते के पहले भाग के लिए शरद ऋतु की समय-सीमा पर विचार कर सकते हैं। हाल के महीनों में भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताएं प्रगति और गतिरोध के बीच झूलती रही हैं। टैरिफ तनाव के कारण उत्पन्न अंतराल के बाद सितंबर में दोनों पक्षों ने आमने-सामने बातचीत फिर से शुरू की। उल्लेखनीय है कि सभी की निगाहें उस समय-सीमा पर हैं, जो दोनों पक्षों ने मोटे तौर पर नवंबर के लिए डेडलाइन तय की है। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों के नेताओं ने अधिकारियों को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर वार्ता करने का निर्देश दिया था।

एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ा, टाटा संस का 2032 तक करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली। टाटा समूह में विवाद के बीच एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। अब 2032 तक वे टाटा संस के चेयरमैन रहेंगे। जो चंद्रशेखरन 1987 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) टीसीएस में इंटर्न थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि टाटा ट्रस्ट ने समूह की पारंपरिक सेवानिवृत्ति नीति को तोड़ते हुए पहली बार टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में एन. चंद्रशेखरन का तीसरा कार्यकाल 2032 तक बढ़ाने को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है। इस विस्तार के बाद वे 70 वर्ष की आयु तक इस पद पर बने रहेंगे। उनका वर्तमान कार्यकाल फरवरी, 2027 में समाप्त हो रहा है। उल्लेखनीय है कि तीसरे कार्यकारी कार्यकाल को मंजूरी मिलने से टाटा समूह की लंबे समय से चली आ रही सेवानिवृत्ति नीति में बदलाव आया है। यह पहली बार है, जब कोई अध्यक्ष सेवानिवृत्ति की आयु के बाद भी पूर्ण कार्यकारी पद पर बना रह सकता है।

दिवाली के मौके पर 21 और 22 अक्टूबर को बंद रहेगा स्टॉक मार्केट

नई दिल्ली। हर साल की तरह इस साल भी दिवाली, लक्ष्मी पूजन और दिवाली बलि प्रतिप्रदा के अवसर पर घरेलू शेयर बाजार में 2 दिन की छुट्टी रहेगी। इस छुट्टी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर ट्रेडिंग नहीं होगी। 21 अक्टूबर को शेयर बाजार में दिवाली, लक्ष्मी पूजन की छुट्टी रहेगी, जबकि 22 अक्टूबर को दिवाली बलि प्रतिपदा की छुट्टी रहेगी। हालांकि दिवाली के दिन यानी 21 अक्टूबर को मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए कुछ देर के लिए शेयर बाजार ओपन होगा। मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए 21 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई दोपहर 1:45 बजे से 2:45 बजे तक 1 घंटे के लिए खुलेगा। स्टॉक एक्सचेंज की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार 21 और 22 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में इक्विटी सेगमेंट, सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बौरोइंग (एसएलबी) सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट, नेगोशिएट डीलिंग सिस्टम रीस्टोर (एमडीएस-आरएसटी), कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट, ट्राई पार्टी रेपो और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसिप्ट्स (ईजीआर) में ट्रेडिंग हॉलीडे रहेगा। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में भी इन दोनों तारीखों पर इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कमोडिटीज डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स, निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और इंट्रेस्ट रेट डेरिवेटिव्स जैसे सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी।

अफगान विदेश मंत्री ने भारतीय उद्योग जगत को किया आश्वस्त, आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए माहौल

एजेंसी

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और उनके साथ भारत आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक का आयोजन किया। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने भारतीय उद्योग जगत को आश्वासन दिया कि अफगानिस्तान में आवश्यक शांति और सौहार्द स्थापित हो गया है और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। अफगान विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि द्विपक्षीय व्यापार पहले ही 1 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। जहां कई भारतीय कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं में अपना परिचालन फिर से शुरू कर चुकी हैं, वहीं

अफगानिस्तान द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए भारत के सहयोग को बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहा है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बुनियादी ढांचा, रसद, विमानन, शिक्षा, कृषि और बैंकिंग पर जोर दिया। उन्होंने इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए फिक्की और अफगान चैंबर की भूमिका पर भी जोर दिया। केईसी, मैक्स अस्पताल सहित कई भारतीय कंपनियों ने अपना परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। इसी तरह, एमिटी विश्वविद्यालय भी कई अफगान छात्रों का समर्थन कर रहा है और एक सहयोगात्मक परिसर बनाने की गहरी इच्छा व्यक्त की है।

भारतीय उद्योग प्रतिनिधियों ने इस बात पर जोर दिया कि वीजा एक गंभीर समस्या बनी हुई है और दोनों पक्षों के व्यापारियों की सुगम आवाजाही के लिए इसे तुरंत हल करने की आवश्यकता है। अफगानिस्तान में भारतीय कंपनियों द्वारा परियोजनाओं को पूरा करने में देरी से बचने के लिए दोनों देशों के बीच माल की आवाजाही सहित रसद व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है। भारतीय उद्योग अफगानिस्तान के साथ हर संभव तरीके से जुड़ने के लिए उत्सुक है, और अफगान मंत्री ने आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने और बनाए रखने का आश्वासन दिया।

कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मिले पीयूष गोयल, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। अनीता इस समय दो दिवसीय भारत दौरे पर हैं। 2023 के बाद किसी भी कनाडाई मंत्री का यह पहला भारत दौरा है। वाणिज्य भवन में

कनाडा के विदेश मंत्री अनीता आनंद का स्वागत किया। गोयल ने आगे लिखा है, दोनों देशों के बीच लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जानकर प्रसन्नता हुई। वाणिज?य मंत्री ने बताया कि हमारी चर्चा ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के क्षेत्रों की खोज पर केंद्रित रही। साथ ही, विश्वास और सम्मान पर आधारित पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए भारत की तत्परता को दोहराया गया। इससे पहले कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की।

ईपीएफओ सदस्य अब पीएफ खाते से निकाल सकते हैं 100 प्रतिशत पैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दीवाली से पहले एक बड़ी खबर में, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने हुई बैठक में फैसला लिया कि पीएफ खाते में मौजूद 'पात्र राशि' का 100 प्रतिशत हिस्सा, जिसमें कर्मचारी और नियोक्ता का हिस्सा शामिल है, निकाला जा सकता है। यह निर्णय राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की 238वीं बैठक में लिया गया। इस कदम से सात करोड़ से ज्यादा अंशधारकों को मदद मिलेगी और उन्हें ईपीएफ से 100 प्रतिशत तक निकासी की अनुमति मिलेगी। पहले, पूरी निकासी केवल बेरोजगारी या सेवानिवृत्ति की स्थिति में ही की जा सकती थी। किसी सदस्य को बेरोजगारी के एक महीने बाद पीएफ शेष राशि का 75 प्रतिशत और दो महीने बाद शेष 25 प्रतिशत निकालने की अनुमति थी। हालांकि, सेवानिवृत्ति पर बिना किसी सीमा के पूरी राशि निकालने की अनुमति थी। श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता वाले सीबीटी ने अपनी बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। भूमि खरीद, नए घर की खरीद या निर्माण या ईएमआई भुगतान के लिए आंशिक निकासी के मामले में, ईपीएफ सदस्यों को अपने ईपीएफ

खाते में जमा राशि का 90 प्रतिशत तक निकालने की अनुमति थी। उल्लेखनीय है कि ईपीएफ सदस्यों के जीवन को सुगम बनाने के लिए, सीबीटी ने ईपीएफ योजना के आंशिक निकासी प्रावधानों को सरल बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए 13 जटिल प्रावधानों को एक एकल, सुव्यवस्थित नियम में समाहित किया गया है, जिसे तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है: आवश्यक आवश्यकताएं (बीमारी, शिक्षा, विवाह), आवास आवश्यकताएं और विशेष परिस्थितियां। ईपीएफओ ने निकासी की सीमा को भी उदार बनाने का निर्णय लिया है। शिक्षा के लिए 10 बार और विवाह के लिए 5 बार तक निकासी की अनुमति है (विवाह और शिक्षा के लिए कुल 3 आंशिक निकासी की मौजूदा सीमा से)। साथ ही, सभी आंशिक निकासी के लिए न्यूनतम सेवा अवधि की आवश्यकता को समान रूप से घटाकर केवल 12 महीने कर दिया गया है।

चांदी की कीमतें 52.50 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंची

एजेंसी

मुंबई । चांदी की कीमतें मंगलवार को 52.50 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। लंदन में ऐतिहासिक शॉर्ट स्क्वीज और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच सुरक्षित निवेश परिसंपत्तियों की मजबूत मांग के कारण चांदी की कीमत में वृद्धि दर्ज की गई। लंदन में हाजिर चांदी 0.4 प्रतिशत बढ़कर 52.58 डॉलर प्रति औंस हो गई, जिसने जनवरी 1980 में अरबपति हंट ब्रदर्स द्वारा बाजार पर कब्जा करने की कोशिश के पिछले रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण सोने की कीमतें भी लगातार आठ हफ्तों की बढ़त के साथ एक नए रिकॉर्ड पर पहुंच गईं।

चांदी में यह तेजी लंदन के बाजार में लिक्विडिटी को लेकर चिंताओं के बीच आई है, जिससे दुनिया भर में इस धातु को सुरक्षित करने की होड़ मच गई है। लंदन में कीमतें न्यूयॉर्क की तुलना में रेयर प्रीमियम पर कारोबार कर रही हैं, जिससे व्यापारी उच्च कीमतों का लाभ उठाने के लिए अटलांटिक पार चांदी की छड़ें भेज रहे हैं, जो आमतौर पर सोने के लिए एक महंगा कदम होता है। प्रीमियम लगभग 1.55 डॉलर प्रति औंस रहा, जो पिछले सप्ताह 3 डॉलर से

कम था। इस दबाव को बढ़ाते हुए, लंदन में चांदी की लीज दरें पिछले शुक्रवार को एक महीने के कॉन्ट्रैक्ट के लिए 30 प्रतिशत से ऊपर बढ़ गईं, जिससे व्यापारियों के लिए शॉर्ट पोजीशन बनाए रखना महंगा हो गया। हाल के हफ्तों में भारत से भारी मांग के कारण उपलब्ध सप्लाई में कमी आई, क्योंकि अमेरिकी टैरिफ की आशंकाओं के बीच न्यूयॉर्क को शिपमेंट पहले ही हो गए थे। विशेषज्ञों ने कहा कि सोने और चांदी दोनों में हालिया उछाल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता को दर्शाता है। भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों और केंद्रीय बैंकों व निवेशकों की जोरदार खरीदारी के कारण सोने की कीमतें इस वर्ष लगभग 60 प्रतिशत बढ़कर पहली बार 4,100 डॉलर के स्तर को पार कर गई हैं। मुद्रास्फीति और खुदरा बिक्री जैसे प्रमुख अमेरिकी आर्थिक आंकड़े इस सप्ताह के अंत में आने वाले हैं, लेकिन विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि अगर गवर्नमेंट शटडाउन जारी रहा, तो इन रिपोर्टों के जारी होने में देरी हो सकती है, जिनमें रोज़गार के आंकड़े भी शामिल हैं।

पीएम गति शक्ति से लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी, भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के बुनियादी ढांचे में बदलाव एवं लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से सरकार के महत्वाकांक्षी पीएम गति शक्ति मिशन ने सभी क्षेत्रों में स्पष्ट प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित पीएम गति शक्ति की चौथी वर्षगांठ पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि लॉजिस्टिक्स लागत, जो लंबे समय से भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए एक चुनौती रही है, अब कम हो रही है। गोयल ने कहा, हाल ही में एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें दिखाया गया था कि लॉजिस्टिक्स लागत में काफी कमी

आने लगी है, खासकर अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी में सुधार के साथ। उन्होंने बताया कि पहले उद्योगों को ट्रक से रेल तक सामग्री के कई बार स्थानांतरण का सामना करना पड़ता था, जिससे अकुशलता और नुकसान होता था। उन्होंने बताया कि खनन और बिजली संयंत्र स्थलों पर सीधी रेलवे साइडिंग बनाने से इस तरह की बर्बादी में काफी कमी आई है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि चार साल पहले शुरू हुए पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान ने अब तक एक लंबा सफर तय किया है। आज इसने भारत के बुनियादी ढांचे की योजना और विकास के तरीके को बदल दिया है और अधिक स्मार्ट, तेज़ और टिकाऊ विकास की ठोस नींव रखी है। इस उपलब्धि को चिह्नित करने वाले कार्यक्रम में कई प्रमुख पहलों का शुभारंभ किया गया, जिनमें एकीकृत भू-स्थानिक इंटरफ़ेस के माध्यम से जनता के लिए पीएम गतिशक्ति, पीएम गतिशक्ति-अपतटीय, सभी 112 आकांक्षी जिलों के लिए जिला मास्टर प्लान और LEAPS, 2025 पुरस्कार शामिल हैं। -एनएमपी डैशबोर्ड, जो ऑनबोर्ड किए गए डेटा स्तरों, पंजीकृत उपयोगकर्ताओं, नियोजित परियोजनाओं और रिपोर्ट की गई समस्याओं के बारे में जानकारी प्रदान करेगा।

सितंबर में खुदरा महंगाई दर घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.54 फीसदी पर आई

एजेंसी

स्टॉकहोम। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को राहत देने वाली खबर है। सितंबर महीने में खुदरा महंगाई दर घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.54 फीसदी पर आ गई है, जो पिछले महीने अगस्त में 2.07 फीसदी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जारी आंकड़ों में बताया कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर में यह गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों और दालों सहित खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के कारण है। सितंबर, 2024 में खुदरा महंगाई दर 5.49 फीसदी थी। एनएसओ के मुताबिक सब्जियों और दालों के सस्ते होने से खुदरा महंगाई दर में दर्ज हुई है। सितंबर महीने के

दौरान सालाना आधार पर खाद्य महंगाई -2.28 फीसदी रही है, जबकि अगस्त में यह -0.64 फीसदी और पिछले वर्ष सितंबर में यह 9.24 फीसदी रही थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया आरबीआई ने अक्टूबर की द्विमासिक मौद्रिक नीति में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने खुदरा महंगाई दर यानी मुद्रास्फीति अनुमान को अगस्त में अनुमानित 3.1 फीसदी से घटाकर 2.6 फीसदी कर दिया था।

गुजरात के मेहसाणा में अंतरराष्ट्रीय बायर-सेलर मीट से 500 करोड़ की निर्यात संभावनाओं को मिला नया आयाम

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात के मेहसाणा में उत्तर गुजरात के भाग रूप में हुए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस(वीजीआरसी) में अंतरराष्ट्रीय बायर-सेलर मीट से 500 करोड़ की निर्यात संभावनाओं को नया आयाम मिला। यह जानकारी भारतीय निर्यात संगठन महासंघ ने अपने बयान में दी। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ(एफआईईओ) ने आज अपने बयान में बताया कि उद्योग प्रतिनिधियों की ओर से दो दिवसीय कार्यक्रम को शानदार प्रतिसाद मिला। इस आयोजन में कुल 17 देशों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख देश अमेरिका, जर्मनी, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम, मिस्र, इथियोपिया, घाना, तंजानिया, युगांडा, भूटान, ओमान, बहरीन, नेपाल, उज्बेकिस्तान, यूक्रेन और बोत्सवाना शामिल थे। महासंघ ने बताया कि कार्यक्रम में 40 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और गुजरात सहित भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 850 से अधिक स्थानीय विक्रेताओं ने भाग लिया। दो दिनों में कुल 2,200 से अधिक व्यावसायिक बैठकों का आयोजन किया गया और 350 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयूएस) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अंतरराष्ट्रीय मीट के परिणामस्वरूप

लगभग 500 करोड़ से अधिक की एक्सपोर्ट एन्क्वारीज़ प्राप्त हुई, जिससे गुजरात की निर्यात संभावनाओं को नया प्रोत्साहन मिला। विदेश व्यापार महानिदेशालय(डीजीएफटी) अजय भादू (आइएएस) और गुजरात सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) आयुक्त संदीप जे. सागले ने बायर-सेलर मीट में उपस्थित होकर खरीदारों और विक्रेताओं दोनों से संवाद किया और वैश्विक व्यापारिक संबंधों को गति देने तथा गुजरात की निर्यात क्षमता को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सराहना की। एफआइईओ के अध्यक्ष एस. सी. रालहा ने बताया कि दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बायर-सेलर मीट में वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे प्रमुख क्षेत्र केंद्र में रहे। यह आयोजन वैश्विक व्यापारिक संपर्कों को बढ़ाने और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम साबित हुआ। साथ ही, इसने गुजरात को एक अग्रणी निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गौरतलब है कि भारतीय निर्यात संगठन महासंघ और गुजरात सरकार द्वारा विश्व बैंक के आईएएमपी प्रोजेक्ट के तहत 9-10 अक्टूबर 2025 को गणपत विश्वविद्यालय गुजरात सरकार के एमएसएमई विभाग और आईएनडीईएक्सटीपी के सहयोग से एक अंतरराष्ट्रीय बायर-सेलर मीट वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) का आयोजन किया गया था।

ईपीएफओ से अब 100 फीसदी तक की निकासी कर सकेंगे सदस्य, न्यासी मंडल ने दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने सात करोड़ से अधिक सदस्यों को आंशिक निकासी के नियमों में बड़ी छूट देते हुए 100 फीसदी तक निकासी करने को मंजूरी दे दी। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने आज एक बयान में बताया कि केंद्रीय न्यासी मंडल (सीबीटी), ईपीएफ की 238वीं बैठक में यह फैसला किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने की। बैठक में सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ के बोर्ड ने अपने 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों के लिए आंशिक निकासी की उदार व्यवस्था को मंजूरी दे दी, जिससे ईपीएफ से 100 फीसदी तक निकासी की अनुमति मिल गई।

श्रम मंत्रालय ने बताया कि श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में ईपीएफओ के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय, केंद्रीय न्यासी बोर्ड

(सीबीटी) ने अपनी बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए है। मंत्रालय के मुताबिक सीबीटी ने ईपीएफ सदस्यों के जीवन को आसान बनाने के लिए 13 जटिल प्रावधानों को एक एकल, सुव्यवस्थित नियम में विलय करके ईपीएफ योजना के आंशिक निकासी प्रावधानों को सरल बनाने का निर्णय लिया, जिसे तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है, अर्थात् आवश्यक आवश्यकताएं (बीमारी, शिक्षा, विवाह), आवास आवश्यकताएं और विशेष परिस्थितियां शामिल है।

भारत, यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते के लिए 14वें दौर की वार्ता संपन्न

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ (ईयू) के वरिष्ठ अधिकारियों ने ब्रुसेल्स में प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 14वें दौर की वार्ता पूरी कर ली है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दी जानकारी में बताया कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के अधिकारियों ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 14वें दौर की बातचीत पूरी कर ली है। अधिकारी ने बताया कि पांच दिवसीय ये वार्ता छह अक्टूबर को शुरू हुई थी, जिसका उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर मतभेदों को दूर कर वार्ता को जल्द पूरा करना था। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच 6 अक्टूबर को ब्रुसेल्स में वार्ता शुरू करने वाले भारतीय वार्ताकारों के साथ इस दौर के अंतिम दिनों में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल भी शामिल हुए। अग्रवाल ने इस दौरान यूरोपीय आयोग (ईसी) में अपनी समकक्ष व्यापार महानिदेशक (डीजी-ट्रेड) सबाइन वेयंड से भी मुलाकात की। इसके बाद भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच अगले दौर की बातचीत शुरू होने से पहले केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की इस महीने के अंत में ब्रुसेल्स की यात्रा की योजना बनाई जा रही है। गौरतलब है कि 15वें दौर की वार्ता नवंबर के मध्य में नई दिल्ली में होने की उम्मीद है क्योंकि दोनों पक्ष इस साल के अंत तक इस समझौते को अंतिम रूप देना चाहते हैं। जैसे-जैसे समय सीमा नज़दीक आ रही है।

स्टॉक मार्केट में टाटा कैपिटल की फीकी एंट्री, मामूली फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। फाइनेंशियल सर्विसेज मुहैया कराने वाली टाटा सन्स की सब्सिडरी टाटा कैपिटल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 326 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 1 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 329.30 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 330 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में इस शेयर की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर एनएसई पर 327.25 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

टाटा कैपिटल का 15,511.87 करोड़ रुपये का आईपीओ 6 से 8 के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.96 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.98 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.10 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 2.92 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 6,846 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 26,58,24,280 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी टियर-1 कैपिटल बेस बढ़ाने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए

दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2,945.77 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3,326.96 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 3,655.02 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी कुल सालाना आय 44 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 13,637.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 1,040.93 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ, जबकि इस अवधि में कंपनी को 7,691.65 करोड़ रुपये की कुल आय हुई। इस दौरान कंपनी पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी पर कर्ज 1,13,335.91 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 1,48,185.29 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज उछल कर 2,08,414.93 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो पहली तिमाही के बाद यानी जून 2025 के अंत में कंपनी पर 2,11,851.60 करोड़ रुपये का कर्ज था। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 11,899.32 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में बढ़ कर 18,121.83 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में उछल कर 24,299.36 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो पहली तिमाही के बाद यानी जून 2025 के अंत में कंपनी के पास रिजर्व और सरप्लस में 29,260.88 करोड़ रुपये थे।

ट्रम्प ने मिस्र में सीजफायर समझौते के दौरान कहा, 'आइए सहयोग की भावना जारी रखें'

एजेंसी

शार्म अल-शेख (मिस्र)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मिस्र के शार्म अल-शेख में विभिन्न विश्व नेताओं के साथ सीजफायर समझौते पर हस्ताक्षर के मौके पर कहा कि यह ऐतिहासिक समझौता मध्य पूर्व में एक नई दिशा की ओर इशारा करता है। ट्रम्प ने कहा, यह पहली बार है जब मध्य पूर्व संकट लोगों को अलग करने के बजाय एक साथ ला रहा है। हम घोषणा करते हैं कि हमारा भविष्य पिछली पीढ़ियों की लड़ाइयों से संचालित नहीं होगा, जो कि मूर्खता है। इसलिए, आइए हम उस सहयोग और सद्भाव की भावना को जारी रखें, जिसने हमें इस अद्भुत और ऐतिहासिक सफलता तक पहुंचाया। पदस्थ मंच पर खड़े विश्व नेताओं के सामने बोलते हुए ट्रम्प ने खुद को डीलमेकर बताया और कहा कि यह समझौता सबसे बड़ा साबित हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, यह सब एक छोटे से समय में एक साथ आ गया। महानतम सौदे अक्सर ऐसे ही होते हैं, और यही यहां हुआ। और शायद यह अब तक का सबसे बड़ा सौदा होगा। अपने संबोधन के बाद, ट्रम्प ने उपस्थित नेताओं के साथ निजी तौर पर थोड़ी बातचीत भी की।

हमास ने मृत बंधकों के चार शव रेड क्रॉस को सौंपे

गाजा/तेल अवीव। इजराइली अधिकारियों ने बताया कि हमास ने मृत बंधकों के चार शव रेड क्रॉस को सौंप दिए हैं। इन चार में से दो शवों को रेड क्रॉस ने गाजा के भीतर स्थित एक स्थान पर इजराइली बलों को सौंप दिया है, जबकि बाकी दो शवों को वहीं लाया जा रहा है। हमास ने पहले घोषणा की थी कि वह चार शव आज सौंपेगा, जिनमें डेनियल पेरेज, योसी शराबी, गाइ इलौज और बिपिन जोशी के नाम शामिल थे। इजराइल ने अभी तक सौंपे जा रहे शवों की पहचान की पुष्टि नहीं की है। पिछली घटनाओं में शवों की पहचान डीएनए परीक्षण के माध्यम से की गई थी। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया कि पहले दो शवों को प्राप्त कर लिया गया है, जबकि रेड क्रॉस ने बाकी दो शवों को हमास से ले लिया है और उन्हें उसी स्थान पर लाया जा रहा है। चारों शवों का निरीक्षण किया जाएगा, इसके बाद उन्हें इस्राइली झंडे से ढककर सैन्य रब्बी के नेतृत्व में एक छोटा समारोह आयोजित किया जाएगा। सैन्य अधिकारियों ने कहा कि हमास को समझौते का पालन करना होगा और सभी शवों को लौटाने के लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे।

पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति सारकोजी की 5 साल जेल की सजा अगले सप्ताह से शुरू होगी

पेरिस। पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति निकोलस सारकोजी अगले सप्ताह पेरिस की जेल में प्रवेश करेंगे, जहां वे आपराधिक साजिश के मामले में पांच साल की जेल की सजा भुगतेंगे। इस मामले में सारकोजी पर 2007 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के लिए लीबिया से धन जुटाने के प्रयासों में साजिश रचने का आरोप था, जैसा कि फ्रांसीसी समाचार चैनल आरटीएल (आरटीएल) ने रिपोर्ट किया। आरटीएल के अनुसार, सारकोजी को 21 अक्टूबर को पेरिस की सैंटे जेल भेजा जाएगा। पेरिस वित्तीय अभियोजन कार्यालय ने इस रिपोर्ट की पुष्टि या खंडन नहीं किया है। वहीं, सारकोजी के वकीलों ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हमेशा खुद के निर्देष होने का दावा करने वाले सारकोजी को उनके करीबी सहयोगियों द्वारा 2007 के राष्ट्रपति अभियान के लिए तत्कालीन लीबियाई तानाशाह मुआम्मर गद्दाफी के शासनकाल में धन जुटाने के प्रयासों के लिए आपराधिक साजिश का दोषी पाया गया। यह सजा फ्रांस के 2007-2012 तक सत्ता में रहे इस कंजर्वेटिव नेता के लिए एक बड़े पतन का प्रतीक मानी जा रही है। न्यायाधीशों ने अपने फैसले में मामले की असाधारण गंभीरता को ध्यान में रखा। यह सारकोजी का तीसरा मामला है जिसमें उन्हें धोखाधड़ी से संबंधित आरोपों में दोषी ठहराया गया है।

कनेस्सेट में बोले डोनाल्ड ट्रंप- 'इजराइल और फिलिस्तीन के लिए लंबा दुःस्वप्न समाप्त'

यरूशलम। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल की संसद कनेस्सेट में ऐतिहासिक संबोधन देते हुए कहा,'इजराइल और फिलिस्तीन के लिए लंबा दुःस्वप्न अब समाप्त हो गया है।' उन्होंने यह वक्तव्य गाजा में युद्धविराम और बंधक समझौते के पहले चरण के लागू होने और हमास द्वारा शेष 20 बंधकों की रिहाई के कुछ घंटे बाद दिया। ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सराहना करते हुए कहा, 'थैंक्यू वेरी मच, बीबी.. ग्रेट जॉब..'। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू के नेतृत्व में 'इजराइल ने असाधारण दृढ़ता और साहस दिखाया है।' ट्रंप ने आगे कहा, 'वह ताकतें जिन्होंने इस क्षेत्र में अराजकता और विनाश फैलाया था, अब पूरी तरह पराजित हो चुकी हैं। वर्षों की निरंतर लड़ाई और खतरे के बाद आज आसमान शांत है, बंदूकें खामोश हैं, सायरन थम गए हैं, और यह पवित्र भूमि अंततः शांति की रोशनी में नहाई हुई है।÷ उन्होंने जोड़ा कि यह केवल युद्ध का अंत नहीं बल्कि ÷आतंक और मृत्यु के युग का अंत तथा आस्था, आशा और ईश्वर के युग की शुरुआत÷ है। ट्रंप के भाषण के दौरान अरब सांसद आयमन ओदेह ने उन्हें बीच में रोकते हुए विरोध दर्ज कराया। ओदेह ने कहा कि ÷कनेस्सेट में दिखाई जा रही यह कपटपूर्ण प्रशंसा प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी सरकार को गाजा में किए गए अपराधों से मुक्त नहीं कर सकती। असली न्याय तभी मिलेगा जब कब्जा खत्म होगा और फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी अपने संबोधन में ट्रंप की सराहना करते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप इजराइल के इतिहास में व्हाइट हाउस के सबसे बड़े मित्र हैं।

नेपाल में संसद विघटन और अंतरिम सरकार गठन को कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के तीन प्रमुख दल संसद विघटन और सरकार गठन के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में रिट दायर करने की तैयारी कर रहे हैं। भंग की गई प्रतिनिधि सभा के स्पीकर देवराज घिमिरे ने मंगलवार को तीनों प्रमुख दलों की बैठक बुलाकर संसद विघटन और सरकार गठन को चुनौती देने के लिए एक साथ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने को कहा है। इस बैठक में स्पीकर घिमिरे ने कहा कि अलग-अलग रिट दाखिल करने से बेहतर है सभी संयुक्त रूप से इसे दाखिल करें। इस बैठक में नेपाली कांग्रेस के तरफ से प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत,नेकपा एमाले के तरफ से पूर्व कानून मंत्री पद्मा अर्याल और माओवादी के तरफ से राष्ट्रीय सभा

के सांसद और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता खिमलाल देवकोटा की उपस्थिति रही। इसके अलावा नेपाल बार एसोशिएशन के तरफ से प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा कि उनकी पार्टी के तरफ से संसद विघटन के अंतरिम सरकार के फैसले को कोर्ट में चुनौती देने के लिए पूरी तैयारी की जा चुकी है। नेकपा एमाले की नेता तथा पूर्व कानून मंत्री पद्मा अर्याल ने कहा कि संविधान के दायरे से बाहर जाकर अंतरिम सरकार द्वारा संसद विघटन का फैसला किए जान के खिलाफ कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। साथ ही इस सरकार का गठन भी संविधान की धारा के मुताबिक नहीं होने के कारण उसकी वैधता पर भी सवाल खड़ा किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में आज मंगलवार से नियमित सुनवाई शुरू होने जा रहीं है। जेन जी आंदोलन के दौरान आगजनी के कारण खंडहर बन चुके अदालत परिसर में आज 35 दिन के बाद नियमित सुनवाई होने जा रही है। साथ ही आज से रिट दाखिल करने को कहा गया है।

पाक पीएम शहबाज ने कहा- ट्रम्प हैं नोबेल शांति पुरस्कार के 'सबसे अद्भुत उम्मीदवार'

एजेंसी

शार्म अल-शेख (मिस्र)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 'सबसे अद्भुत उम्मीदवार' हैं। शहबाज शरीफ ने कहा, मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करना चाहूंगा, क्योंकि मुझे वास्तव में लगता है कि वो सबसे सच्चे और सबसे अद्भुत उम्मीदवार हैं। यह टिप्पणी उन्होंने मिस्र के शार्म अल-शेख में आयोजित शिखर सम्मेलन में ट्रम्प के साथ संबोधन के दौरान की। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने ट्रम्प के योगदान को सराहते हुए कहा कि उन्होंने करोड़ों जीवन बचाए और विश्वभर में संघर्षों को समाप्त करने में असाधारण योगदान दिया÷, जिसमें इस साल की शुरुआत में भारत-पाकिस्तान संघर्ष और गाजा युद्ध भी शामिल हैं। पाकिस्तान ने जून में ट्रम्प

को नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित किया था, हालांकि भारत ने इस दावे का विरोध किया कि ट्रम्प ने दोनों देशों के बीच संघर्ष को समाप्त कराने में कोई भूमिका निभाई। ट्रम्प ने स्वयं भी नोबेल पुरस्कार पाने की इच्छा व्यक्त की है। इससे पहले यह पुरस्कार चार अन्य अमेरिकी राष्ट्रपतियों को भी प्रदान किया जा चुका है।

भारत ने पाकिस्तान को बताया आतंक का 'स्रोत', पीओके' में दमन रोकने की मांग

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । भारत ने पाकिस्तान को 'आतंक, हिंसा, कट्टरता, असहिष्णुता और उग्रवाद का मुख्य स्रोत' बताते हुए मांग की है कि पाकिस्तान कश्मीर के उस हिस्से में जारी 'गंभीर और निरंतर मानवाधिकार उल्लंघन' को तुरंत रोके, जिसे उसने अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है। केरल से रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने उपनिवेशवाद-उन्मूलन से संबंधित महासभा समिति में कहा, ÷पाकिस्तान आतंक, हिंसा, कट्टरता, असहिष्णुता और उग्रवाद का मुख्य स्रोत है। इसी साल अप्रैल में, पाकिस्तान की तरफ से प्रशिक्षित और प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी थी।' उन्होंने अप्रैल 1948 में पारित सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 47 का उल्लंघन करते हुए कश्मीर के उस हिस्से में पाकिस्तान के क्रूर दमन का पर्दाफाश किया, जिस पर पड़ोसी मुल्क का कब्जा है। प्रेमचंद्रन ने कहा, 'हम पाकिस्तान से आग्रह करते हैं कि वह उन क्षेत्रों में जारी गंभीर और निरंतर

मानवाधिकार उल्लंघनों को रोके, जिन्हें उसने अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है। वहां की जनता पाकिस्तान के सैन्य कब्जे, दमन, क्रूरता और संसाधनों के अवैध दोहन के खिलाफ खुलकर विद्रोह कर रही है।'उन्होंने आगे कहा, 'सिर्फ पिछले कुछ हफ्तों में ही पाकिस्तान की सेना और उसके समर्थकों ने कई निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी है, जो अपने मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए आंदोलन कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी सेना ने विरोध प्रदर्शन को कुचलते हुए 12 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी। प्रेमचंद्रन ने समिति में बीते हफ्ते पाकिस्तान की तरफ से भारत और कश्मीर को लेकर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ये टिप्पणियां चौथी समिति के कार्यक्षेत्र या एजेंडे में शामिल किसी भी विषय से संबंधित नहीं थीं।

डॉ. महरंग बलोच व अन्य महिलाओं के खिलाफ दर्ज केस की क्वेटा जेल में सुनवाई

एजेंसी

क्वेटा। बलोचिस्तान की प्रसिद्ध मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ. महरंग बलोच और बलोच सॉलिडेरिटी कमेटी (बीवाईसी) की अन्य महिला नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों की ताजा सुनवाई आतंकवाद विरोधी अदालत के बजाय क्वेटा जिला जेल में हुई। बीवाईसी ने इसे प्रशासनिक दमन का एक भयावह उदाहरण बताया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की 13 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, बलोच सॉलिडेरिटी कमेटी ने एक्स पर एक बयान में कहा कि हिरासत में ली गई महिलाओं की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है। डॉ. महरंग बलोच, सिबगतुल्लाह बलोच, बेबो बलोच, बैबर्ग बलोच और गुलजादी बलोच को मार्च में पब्लिक ऑर्डर ऑर्डिनेंस (एमपीओ) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वे वर्तमान में हिरासत में हैं। इनकी रिमांड कई बार बढ़ाई जा चुकी है।

डॉ. महरंग बलोच के वकील इसरार बलोच ने बताया कि मामले की सुनवाई शनिवार को आतंकवाद निरोधक अदालत संख्या एक के

न्यायाधीश मोहम्मद अली मुबीन ने क्वेटा जिला जेल में की। सुनवाई के दौरान अभियोजक चालान पेश करने में विफल रहा। इसके कारण आरोप नहीं लगाए जा सके और औपचारिक सुनवाई शुरू नहीं हो सकी। जज ने सुनवाई 18 अक्टूबर तक स्थगित कर दी गई। बीवाईसी का कहना है कि जेल में सुनवाई करना पारदर्शिता को दबाने, सार्वजनिक जांच को समाप्त करने और बलोचिस्तान में शांतिपूर्ण राजनीतिक असंतोष को आपराधिक बनाने की एक गंभीर और सोची-समझी योजना है। जो पाकिस्तान के अपने संविधान और निष्पक्ष सुनवाई तथा कानून की उचित प्रक्रिया के अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का स्पष्ट उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि बलोच यकजेहती समिति की नेता हैं। वह बलोचिस्तान में जबरन गायब किए जाने, गैर-न्यायिक हत्याओं और अन्य मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ शांतिपूर्ण संघर्ष के लिए जानी जाती है। उन्हें 2025 में नोबेल शांति पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया। उन्होंने 2019 में इस समिति की स्थापना की थी। उन्होंने 2023 में बलोच लॉन्ग मार्च का नेतृत्व किया। इसमें लाखों लोगों ने हिस्सा लिया। महरंग बलोच ने अपने पिता के अपहरण और भाई के जबरन गायब होने के बाद मानवाधिकारों के लिए आंदोलन शुरू किया। वह अपने संघर्ष में अहिंसक और गांधीवादी तरीकों पर जोर देती हैं।

मिस्र के फिलिस्तीन शांति में दो-राज्य समाधान तर्क से सहमत नहीं ट्रंप

एजेंसी

शर्म अल-शेख (मिस्र)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिलिस्तनी संघर्ष के समाधान में मिस्र की राय से सहमत नहीं हैं। ट्रंप ने गाजा शांति शिखर सम्मेलन से लौटते समय पत्रकारों से बातचीत में मिस्र को राष्ट्रपति के विचार पर कोई टिप्पणी नहीं की। एक पत्रकार ने ट्रंप से मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी तर्क पर पूछा था। सीसी ने कहा था कि इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में शांति का एकमात्र रास्ता दो-राज्य समाधान है। ट्रंप ने जवाब दिया, मैं गाजा के पुनर्निर्माण का पक्षधर हूं। एकल राज्य, दो राज्य से मेरा कोई लेना देना नहीं है।

सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि बहुत से लोगों को मिस्र के राष्ट्रपति का विचार पसंद होगा। उन्होंने अभी तक इस पर सोचा नही है। उल्लेखनीय है कि हाल में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और ट्रम्प ने फिलिस्तीनी राज्य के आह्वान की निंदा की है। राष्ट्रपति ट्रंप के 20-सूत्री गाजा शांति प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से फिलिस्तीनी राज्य का आह्वान नहीं किया गया है,

लेकिन यह राज्य के दर्जे को फिलिस्तीनी लोगों की आकांक्षा कहता है। इस बीच व्हाइट हाउस ने शर्म अल-शेख सम्मेलन पर राष्ट्रपति ट्रंप, मिस्र, कतर और तुर्किये के नेताओं द्वारा हस्ताक्षरित एक शांति घोषणापत्र जारी किया है। इस दस्तावेज में ट्रंप के गाजा में युद्ध समाप्त करने के ईमानदार प्रयासों की सराहना की गई है। फिलिस्तीनियों और इजराइलियों सहित क्षेत्र के सभी लोगों के लिए शांति, सुरक्षा, स्थिरता और अवसर का आह्वान किया गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि भविष्य के विवादों को बल प्रयोग या लंबे संघर्ष के बजाय कूटनीतिक बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। खास बात यह है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजराइल और हमास के बीच हुए युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की सराहना की। बाइडेन ने एक्स पर लिखा, इस समझौते तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं था। मेरे प्रशासन ने बंधकों को घर वापस लाने, फ़िलिस्तीनी नागरिकों को राहत पहुंचाने और युद्ध समाप्त करने के लिए अथक प्रयास किया। मैं राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम की इस नए युद्धविराम समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सराहना करता हूं।

मिस्र पहुंचने से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइली संसद (नेसेट) को संबोधित किया। ट्रंप को एक घंटे से अधिक लंबे भाषण के दौरान इजराइली सांसद से बार-बार खड़े होकर तालियां मिलीं। ट्रंप ने मध्य पूर्व में एक नए युग की शुरुआत और इजराइल में शांति की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि बंधकों को सोमवार तड़के गाजा स्थित रेडक्रॉस को सौंप दिया गया और फिर उन्हें इजराइल में उनके परिवारों से मिलवाया गया।

हमास ने इजराइल को सौंपा नेपाली छात्र विपिन जोशी का शव, पोस्टमार्टम के बाद स्वदेश लाने की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। हमास ने गाजा में बंधक नेपाली छात्र विपिन जोशी का शव को रेडक्रॉस के मार्फत इजराइल को सौंप दिया। तीन अन्य बंधकों के साथ सौंपे गए विपिन के शव को पोस्टमार्टम के बाद नेपाल लाने की तैयारी है।

रेडक्रॉस की टीम सोमवार रात चार शव इजराइल डिफेंस फोर्स को सौंपे। इजराइल में नेपाल के राजदूत धन बहादुर पंडित ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद विपिन का शव दूतावास को सौंपा जाएगा। उसके बाद उसे नेपाल भेजा जाएगा। राजदूत पंडित ने बताया कि विपिन जोशी के परिवार को इसकी जानकारी दे दी गई है। उनके शव को काठमांडू होते हुए उनके पैतृक निवास स्थान धनगढ़ी तक पहुंचाया जाएगा।

विपिन जोशी की मौत की खबर से नेपाल में शोक है। विपिन जोशी के भाई ने कहा कि यह परिवार के लिए हृदयविदारक है। संवेदना देने के लिए सुबह से ही सैकड़ों लोग जोशी के घर पर पहुंचे हैं। जोशी की मां और बहन

इस समय अमेरिका में हैं। वह नेपाल आ रही हैं। कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत अन्य दर्जनभर छात्रों सहित सितंबर 2023 में इजराइल पहुंचे विपिन जोशी की सात अक्टूबर, 2023 को हमास ने बंधक बना लिया था।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तानी सैन्य गुट पर क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने का लगाया आरोप

एजेंसी

काबुल। इस्लामिक अमीरात-ए-अफगानिस्तान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक विस्तृत आधिकारिक बयान जारी कर देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाई स्थिरता और क्षेत्रीय हालात पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान की सभी आधिकारिक सीमाएं और सीमांकन रेखाएं पूरी तरह नियंत्रण में हैं तथा हाल के महीनों में किसी बड़े सुरक्षा या राजनीतिक संकट की कोई घटना नहीं हुई है।मुजाहिद ने अपने बयान में कहा कि गैरकानूनी गतिविधियों पर कड़ी रोक लगी है और रक्षा मंत्रालय देश की सीमाओं की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है। उन्होंने दावा किया कि अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता कायम है, तथा पिछले आठ

महीनों में किसी बड़े हमले की कोई घटना नहीं हुई। प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना के भीतर एक प्रभावशाली गुट अफगानिस्तान में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहा है। उनके अनुसार, पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व का एक धड़ा अफगानिस्तान की स्थिरता से असंतुष्ट है और झूठी सूचनाएं फैलाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अफगानिस्तान की छवि खराब करने में लगा है। मुजाहिद ने कहा कि इस गुट ने अफगान-पाक संबंधों में भ्रम फैलाने, सीमा पर तनाव बढ़ाने और आतंकी समूह आईएसआईएस-खुरासान (दाएश) को पनाह देने जैसे कदम उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि आईएसआईएस-खुरासान के प्रमुख शाहाब अल-मुहाजिर और उसके सहयोगी वर्तमान में पाकिस्तान में छिपे हुए हैं। इस्लामिक अमीरात ने पाकिस्तान से इन आतंकियों को सौंपने या निष्कासित करने की औपचारिक मांग की है। मुजाहिद ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान की धरती पर अब दाएश का कोई ठिकाना नहीं है और देश की सुरक्षा एजेंसियां किसी भी प्रकार के बाहरी खतरे का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं। अंत में उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की स्थिरता पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए आवश्यक है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के रक्षामंत्री और आईएसआई प्रमुख के वीजा आवेदन खारिज किए

एजेंसी

काबुल। अफगान सरकार ने पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ, इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक और दो अन्य जनरलों के वीजा आवेदनों को खारिज कर दिया है। पिछले तीन दिन में इस्लामाबाद ने तीन अलग-अलग अनुरोध भेजे। तीनों को काबुल ने अस्वीकार कर दिया। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की सोमवार की रिपोर्ट के अनुसार, अफगान विदेश मंत्रालय या तालिबान सरकार ने इस मामले पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की। सूत्रों ने वीजा आवेदन खारिज करने की पुष्टि की। हाल के महीनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है। इस्लामाबाद ने अफगानिस्तान पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को अपनी जमीन का प्रयोग करने का आरोप लगाया है। तालिबान सरकार ने कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को भारी क्षति हुई। हालांकि बाद में अफगान सेना ने युद्धविराम की घोषणा कर दी।

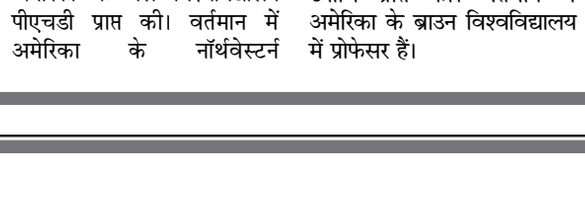

इस्लामाबाद के इन आरोपों का खंडन किया है। हाल ही में खबरें आईं कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल सहित विभिन्न क्षेत्रों में हवाई हमले किए। अफगान बलों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तानी बलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। इस भारत में अफगान सरकार के विदेश मंत्री ने पुष्टि की कि सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात के अनुरोध पर युद्धविराम का फैसला लिया गया। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ पहले भी अफगान नेतृत्व से मिल चुके हैं।

वेनेजुएला ने नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपनी दूतावासें बंद करने का किया ऐलान

एजेंसी

काराकास। वेनेजुएला की सरकार ने घोषणा की है कि वह नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपने दूतावास को बंद करेगी। इसके स्थान पर बुर्किना फासो और जिम्बाब्वे में नए दूतावास खोले जाएंगे। यह कदम अमेरिकी तनावों के बढ़ने के बाद वेनेजुएला के विदेश सेवा ढांचे के पुनर्गठन का हिस्सा है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार ने एक बयान में कहा कि यह बंदी संसाधनों के रणनीतिक पुनःआवंटन का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले वेनेजुएला नागरिकों के लिए वाणिज्यिक सेवाएं अन्य कूटनीतिक मिशनों के माध्यम से प्रदान की जाएंगी, जिसके विवरण आने वाले दिनों में साझा किए जाएंगे।काराकास ने कहा कि बुर्किना फासो और जिम्बाब्वे में नई दूतावासें दो बहन राष्ट्रों में खोली जाएंगी, जो उपनिवेशवाद के खिलाफ और प्रभुत्ववादी दबावों के खिलाफ संघर्ष में रणनीतिक सहयोगी हैं। ये नई दूतावासें कृषि, ऊर्जा, शिक्षा, खनन और अन्य साझा हितों में संयुक्त परियोजनाओं को शुरू करने में मदद करेंगी। यह घोषणा उस समय हुई है जब ओस्लो में नोबेल समिति ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना माचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया है। वेनेजुएला और अमेरिका के बीच बढ़ते तनावों के बीच यह कदम लिया गया।

जोएल मोकिर, फिलिप एघियन और पीटर होविट को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार

एजेंसी

स्टॉकहोम। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने वर्ष 2025 के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार जोएल मोकिर, फिलिप एघियन और पीटर होविट को देने की घोषणा की।नोबेल समिति ने एक बयान में कहा कि अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में वर्ष 2025 के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार तीन अर्थशास्त्रियों को दिया जाएगा। पुरस?कार स्वरूप विजेताओं को संयुक्त रूप से 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (1.2 मिलियन डॉलर) और प्रशस्ति पत्र मिलेंगे। ये पुरस्कार 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में आयोजित एक समारोह में दिए जाएंगे।रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने कहा कि जोएल मोकिर, फिलिप एघियन और पीटर होविट को नवाचार-संचालित आर्थिक विकास की व्याख्या करने के लिए 2025 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार का आधा हिस्सा मोकिर को %तकनीकी प्रगति के माध्यम से सतत विकास को लेकर आवश्यक शर्तों की पहचान करने के लिए% और शेष आधा हिस्सा

एघियन और होविट को 'रचनात्मक विनाश के माध्यम से सतत विकास के सिद्धांत के लिए' संयुक्त रूप से दिया जाएगा।अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार को औपचारिक रूप से अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में आर्थिक विज्ञान में बैंक ऑफ स्वीडन पुरस्कार के रूप में जाना जाता है। बैंक ने 19वीं सदी के स्वीडिश व्यवसायी और रसायनज्ञ नोबेल की स्मृति में 1968 में इसकी स्थापना की थी। नोबेल ने डायनामाइट का आविष्कार किया था और 5 नोबेल पुरस्कारों की स्थापना की थी। तब से ये पुरस्कार कुल 96 विजेताओं को 56 बार प्रदान किया जा चुका है। अब तक अर्थशास्त्र के नोबेल विजेताओं में केवल तीन महिलाओं का नाम है। उल?लेखनीय है कि पिछले वर्ष का नोबल पुरस्कार तीन अर्थशास्त्रियों- डेरॉन ऐसमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स ए. रॉबिन्सन को दिया गया था। जोएल मोकिर का वर्ष 1946 में नीदरलैंड्स के लीडेन में जन्म हुआ। 1974 में अमेरिका के येल विश्वविद्यालय पीएचडी प्राप्त की। वर्तमान में अमेरिका के नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं।फिलिप एघियन का जन्म 1956 में फ्रांस के पेरिस में हुआ। वर्ष 1987 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वर्तमान में ब्रिटेन के लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस में प्रोफेसर हैं।पीटर होविट का जन्म 1946 में कनाडा में हुआ। वर्ष 1973 में अमेरिका के नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वर्तमान में अमेरिका के ब्राउन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं।

आलू की खेती

आलू एक अर्द्धसडनशील सब्जी वाली फसल है।

इसकी खेती रबी मौसम या शरदऋतु में की जाती है। इसकी उपज क्षमता समय के अनुसार सभी फसलों से ज्यादा है इसलिए इसको अकाल नाशक फसल भी कहते हैं। इसका प्रत्येक कंद पोषक तत्वों का भण्डार है, जो बच्चों से लेकर बूढों तक के शरीर का पोषण करता है। अब तो आलू एक उत्तम पोष्टिक आहार के रूप में व्यवहार होने लगा है। बढ़ती आबादी के कुपोषण एवं भुखमरी से बचाने में एक मात्र यही फसल मददगार है।

खेत का चयन

ऊपर वाली भीठ जमीन जो जल जमाव एवं ऊसर से रहित हो तथा जहाँ सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित हो वह खेत आलू की खेती के लिए उपयुक्त है। खरीफ मक्का एवं अगात धान से खाली किए गए खेत में भी इसकी खेती की जाती है।

खेत की जुताई

ट्रैक्टर चालित मिट्टी पलटने वाले डिस्क प्लाउ या एम.बी. प्लाउ से एक जुताई करने के बाद डिस्क हैरो 12 तबा से दो चास (एक बार) करने के बाद कल्टी वेटर यानि नौफारा से दो चास (एक बार) करने के बाद खेत आलू की रोपनी योग्य तैयार हो जाता है। प्रत्येक जुताई में दो दिनों का अंतर रखने से खर-पतवार में कमी आती है तथा मिट्टी पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक जुताई के बाद हेंगा तथा खर-पतवार निकालने की व्यवस्था की जाती है। ऐसा करने से खेत की नमी बनी रहेगी तथा खेत खर-पतवार से मुक्त हो जाएगा।

खर-पतवार से मुक्ति के लिए जुताई से एक सप्ताह पूर्व राउंड अप नामक तृणनाशी दवा जिसमें ग्लायफोसेट नामक रसायन (42 प्रतिशत) पाया जाता है उसका प्रति लीटर पानी में 2.5 (अढ़ाई) मिली लीटर दवा का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल लगने के बाद खर-पतवार में काफ़ी कमी हो जाती है।

खाद एवं उर्वरक

आलू बहुत खाद खाने वाली फसल है। यह मिट्टी के ऊपरी सतह से ही भोजन प्राप्त करती है। इसलिए इसे प्रचुर मात्रा में जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता होती है।

इसमें सड़े गोबर की खाद 200 क्विंटल तथा 5 क्विंटल खल्ली प्रति हें. की दर से डाला जाता है। खल्ली में अंडी, सरसों, नीम एवं करंज जो भी आसानी से मिल जाय उसका व्यवहार करे। ऐसा करने से मिट्टी की उर्वराशक्ति हमेशा कायम रहती है तथा रासायनिक उर्वरक पौधों को आवश्यकतानुसार सही समय पर मिलता रहता है।

रासायनिक उर्वरकों में 150 किलोग्राम नेत्रजन 330 किलोग्राम यूरिया के रूप में प्रति हें. की दर से डाला जाता है। यूरिया की आधी मात्रा यानि 165 किलोग्राम रोपनी के समय तथा शेष 165 किलोग्राम रोपनी के 30 दिन बाद मिट्टी चढ़ाने के समय डाला जाता है। 90 किलोग्राम स्फुर तथा 100 किलोग्राम पोटाश प्रति हें. की दर से डाला जाता है। स्फुर के लिए डी.ए.पी. या सिंगल सुपर फास्फेट दोनों में से किसी एक ही खाद का प्रयोग करें। डी.ए.पी. की मात्रा 200 किलोग्राम प्रति हें. तथा सिंगल सुपर फास्फेट की मात्रा 560 किलोग्राम प्रति हें. तथा पोटाश के लिए 170 किलोग्राम म्यूरिएट ऑफ़ पोटाश प्रति हें. की दर से व्यवहार करें।

सभी उर्वरकों को एक साथ मिलाकर अंतिम जुलाई के पहले खेत में छिंठ कर जुताई के बाद पाटा देकर मिट्टी में मिला दिया जाता है।

रोपनी के समय आलू की पंक्तियों में खाद डालना अधिक लाभकर है परन्तु ध्यान रहे उर्वरक एवं आलू के कंद में सीधा सम्पर्क न हो नहीं तो कंद सड़ सकता है। इसलिए व्हील हो या लहसूनिया हल से नाला बनाकर उसी में खाद डालें। खाद की नाली से 5 से 10 सेंमी. की दूरी पर दूसरी नाली में आलू का कंद डालें।

यदि पोटेटो प्लांटर उपलब्ध हो तो उसके अनुसार उर्वरक प्रयोग में परिवर्तन किया जा सकता है।

रोपनी का समय

हस्त नक्षत्र के बाद एवं दीपावली के दिन तक आलू रोपनी का उत्तम समय है। वैसे अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से लेकर दिसम्बर के अंतिम सप्ताह तक आलू की रोपनी की जाती है। परन्तु अधिक उपज के लिए मुख्यकालीन रोप 5 नवम्बर से 20 नवम्बर तक पूरा कर लें।

प्रभेदों का चयन

आवश्यकता एवं इच्छा के अनुसार प्रभेदों का चयन करें। राजेन्द्र आलू -3, कुफ्री ज्योति, कुफ्री बादशाह, कुफ्री पोखराज, कुफ्री सतलज, कुफ्री आनन्द एवं कुफ्री बहार मधय अगात के लिए प्रचलित प्रभेद हैं जो 90 दिन से लेकर 105 दिनों में परिपक्व हो जाता है।

राजेन्द्र आलू -1, कुफ्री सिंदुरी एवं कुफ्री लालिमा आलू के प्रचलित पिछात प्रभेद हैं जो 120 दिन से लेकर 130 दिन तक परिपक्व हो जाते है।

बीज दर

आलू का बीज दर इसके कंद के वजन, दो पंक्तियों के बीच की दूरी तथा प्रत्येक पंक्ति में दो पौधों के बीच की दूरी पर निर्भर करता है। प्रति कंद 10 ग्राम से 30 ग्राम तक वजन वाले आलू की रोपनी करने पर प्रति हें. 10 क्विंटल से लेकर 30 क्विंटल तक आलू के कंद की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

शीत-भंडार से आलू निकालने के बाद उसे त्रिपाल या पक्की फर्श पर छायादार एवं हवादार जगह में फैलाकर कम से कम एक सप्ताह तक रखा जाता है। सड़े एवं कटे कंद को प्रतिदिन निकालते रहना चाहिए। जब आलू के कंद में अंकुरण निकलना प्रारंभ हो जाय तब रासायनिक बीजोपचार के बाद रोपनी करनी चाहिए।

रासायनिक बीजोपचार

शीत भंडार से निकाले कंद को फफूंद एवं बैक्टिरिया जनित छुआ-छुत रोगों से सुरक्षा के लिए फफूंदनाशक एवं एन्टीवायोटिक दवा का व्यवहार किया जाता है। इसके लिए ड्राम, बाल्टी, नाद या टिन में नाप कर पानी लिया जाता है। प्रति लीटर पानी में 5 ग्राम इमिशान-6 तथा आधाग्राम यानि 500 मिलीग्राम स्ट्रोप्टोसाइक्लिन एन्टीवायोटिक दवा का पाउडर मिलाकर घोल तैयार किया जाता है। इस घोल में कंद को 15 मिनट तक डुबाकर रखने के बाद घोल से आलू को निकाल कर त्रिपाल या खल्ली बोरा पर छायादार स्थान में फैला कर रखा जाता है ताकि कंद की नमी कम हो जाय। घोल बहुत गंदा हो जाने पर या बहुत कम हो जाने पर उस घोल को फेंक कर फिर से पानी डालकर नया घोल तैयार कर लिया जाता है। फफूंदनाशक दवाओं में घोल तैयार करने वास्ते इमिशान-6 सस्ता पड़ता है। इसके अभाव में इन्डोफिल एम.-45, कैप्टाफ या ब्लाइटाक्स 2.5 ग्राम मात्र प्रति लीटर पानी में घोलकर घोल बनाया जा सकता है। इसका मतलब है कि रासायनिक बीजोपचार आवश्यक है। ऐसा करने से खेत में आलू की सड़न रुक जाती है तथा कंद की अंकुरण क्षमता बढ़ जाती है।

रोपने की दूरी

आलू को शुद्ध फसल के लिए दो पंक्तियों के बीच की दूरी 40 सें.मी. से लेकर 600 सें.मी. तक रखें परन्तु, मक्का में आलू की अंतरवर्ती खेती के लिए दो पंक्तियों के बीच की दूरी 60 सें.मी. रखें। यदि ईख में आलू की अंतरवर्ती खेती करनी हो तो ईख की दो पंक्तियों के बीच की दूरी के आधार पर ईख को दो पंक्तियों के बीच में 40 सें.मी. से लेकर 50 सें.मी. की दूरी पर आलू की दो पंक्तियाँ रखें। प्रत्येक कतार में दो कंद के बीच की दूरी 15 सें.मी. से लेकर 20 सें.मी. तक रखें। छोटे कंद को 15 सें.मी. की दूरी पर तथा बड़े कंद को 20 सें.मी. की दूरी पर रोपनी करें।

सिंचाई

कहावत है - आलू एवं मक्का पानी चाटता है - पीता नही है। इसलिए इसमें एक बार में थोड़ा पानी कम अंतराल पर देना अधिक उपज के लिए लाभदायक है। चूँकि खाद की मात्रा ज्यादा रखी जाती है इसलिए रोपनी के 10 दिन बाद परन्तु 20 दिन के अंदर ही प्रथम सिंचाई अवश्य करनी चाहिए। ऐसा करने से अकुरण शीघ्र होगा तथा प्रति पौधा कंद की

संख्या बढ़ जाती है जिसके कारण उपज में दो गुणी वृद्धि हो जाती है। प्रथम सिंचाई समय पर करने से खेत में डाले गए खाद का उपयोग फसलों द्वारा प्रारंभ से ही आवश्यकतानुसार होने लगता है। दो सिंचाई के बीज का समय खेत की मिट्टी की दशा एवं अनुभव के आधार पर घटाया बढ़ाया जा सकता है। फिर भी दो सिंचाई के बीच 20 दिन से ज्यादा अंतर न रखें। खुदाई के 10 दिन पूर्व सिंचाई बंद कर दें। ऐसा करने से खुदाई के समय कंद स्वच्छ निकलेंगे। ध्यान रखें प्रत्येक सिंचाई में आधी नाली तक ही पानी दें ताकि शेष भाग रिसाब द्वारा जम हो जाय।

अंतरकर्षण

प्रथम सिंचाई के बाद यानि रोपनी के 25 दिन बाद खुरपी से खर-पतवार निकाल दिया जाता है। पूरी फसल अवधि में दो बार निकाई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है।

मिट्टी चढ़ाना

रोपनी के 30 दिन बाद दो पंक्तियों के बीच में यूरिया का शेष आधी मात्रा यानि 165 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से डालकर कुदाली से मिट्टी बनाकर प्रत्येक पंक्ति में मिट्टी चढ़ा दिया जाता है तथा कुदाली से हल्का थप-थपाकर दबा दिया जाता है ताकि मिट्टी में पकड़ बनी रहें।

पौध संरक्षण

भूमिगत कीटों से सुरक्षा हेतु रोपनी के समय ही फोरेट-10 जी या डर्सभान 10 जी. जिसमें क्लोरोपायरिफास नामक कीट नाशी दवा रहता है उसका 10 किलोग्राम प्रति हें. की दर से उर्वरकों के साथ ही मिलाकर रोपनी पूर्व व्यवहार किया जाता है। ऐसा करने से धड़ छेदक कीटों से जी मिट्टी में ही दबे रहते हैं उसे सुरक्षा मिल जाती है।

पिछात झुलसा रोग से बचाव के लिए 20 दिसम्बर से लेकर 20 जनवरी तक 10 से 15 दिन के अंतराल पर फफूंदनाशक दवा का छिड़काव करें। प्रथम छिड़काव में इन्ड़ोफिल एम-45, दूसरे छिड़काव में ब्लाइटॉक्स एवं तीसरे छिड़काव में इन्ड़ोफिल एम-45, दूसरे छिड़काव में ब्लाइटॉक्स एवं तीसरे छिड़काव में आवश्यकतानुसार रीडोमील फफूंदनाशक दवा का 2.5 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। प्रति हेक्टेयर 2.5 किलोग्राम दवा एवं 1000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। लगभग 60 टिन पानी प्रति हें. लग जाता है। ऐसा करने से फसल सुरक्षा बढ़ जाती है।

14 जनवरी के आस-पास लाही गिरने का समय हो जाता है। यदि लाही का प्रकोप हो तो मेटासिस्टोक्स नामक कीटनाशी दवा का प्रति लीटर पानी में एक मिली. दवा डालकर स्प्रे किया जाता है। दवा नापने के लिए प्लास्टिक सिरीज का व्यवहार करें। लाही नियंत्रण से आलू में कुकरी रोग यानि लीफ रोल नाम विषाणु रोग का खतरा कम हो जाता है।

देखभाल

आलू रोपनी के 60 दिन बाद प्रत्येक पंक्ति में घूमकर फसल को देखा करें। यदि आलू का कंद दिखलाई पड़े तो उसे मिट्टी से ढँक दें नहीं तो उसका रंग हरा जो जायगा। तथा कंदों का बढ़ना रुक जायगा। चूहा द्वारा क्षति का भी अंदाज लग जायगा। चूहा के आक्रमण पर प्रत्येक बिल में 10 ग्राम थीमेट नामक कीटनाशी दवा डालकर छेद को बंद कर दें। ऐसा करने से चूहा बिल में ही मर जायगा या नहीं तो खेत छोड़कर भाग जायगा।

यदि आलू को बीज के लिए या अधिक दिनों तक रखना हो तो परिपक्वता अवधि पूरी होने पर लत्तर काट दें। लत्तर काटने के 10 दिन बाद खुदाई करें। ऐसा करने से कंद का छिलका मुटाता है। जिससे आलू की भंडारण क्षमता बढ़ती है तथा सडन में कमी आती है।

बाजार भाव एवं आवश्यकता को देखते हुए रोपनी के 60 दिन बाद आलू का खुदाई की जाती है। यदि भंडारण के लिए आलू रखना हो तो कंद की परिपक्वता की जाँच के बाद ही खुदाई करें। परिपक्वता की जाँच के लिए कंद को हाथ में रखकर अंगूठा से दवाकर फिसलाया जाता है यदि ऐसा करने पर कंद का छिलका अगल नहीं होता है तो समझा जाता है कि कंद परिपक्व हो गया है। ऐसे कंद की खुदाई करने से भंडारण के कंद सड़ता नहीं है। खुदाई दिन के 12.00 बजे तक पूरा कर लेनी चाहिए। खुदे कंद को खुले धूप में न रखकर छायादार जगह में रखा जाता है। धूप में रखने पर भंडारण क्षमता घट जाती है। 15 मार्च तक आलू के सभी प्रभेदों की खुदाई अवश्य पूरी कर लेनी चाहिए। खुरपी या पोटेटो डीगर से खुदाई की जाती है। खुरपी से खुदाई करने पर ध्यान रहे आलू कटने न पावें। कहावत है - आलू नहीं कटती हैं, तकदीर कट जाती है।

यदि आलू को शीत भंडार भेजना है तो कटे एवं सड़े आलू की छाँटकर खुदाई के एक सप्ताह बाद बोरा में बंद कर भेज दें। प्रत्येक बोरा के अंदर प्रभेद का नाम लिख दें तथा बोरा के ऊपर भी अपना पता लिख दें।

रोपनी की विधि

आलू रोपने के समय ही कुदाली से मिट्टी चढ़ाकर लगभग 15 सें.मी. ऊँचा मेड बना दिया जाता है तथा उसे कुदाली से हल्का थप-थप कर मिट्टी दबा दिया जाता है ताकि मिट्टी की नमी बनी रहे तथा सिंचाई में भी सुविधा हो।

यदि सुविधा हो तो बड़े खेत में पोटेटो प्लांटर से भी रोपनी की जाती है। इसके द्वारा समय एवं श्रम दोनों की बचत होती है।

यदि आलू में मक्का लगाना चाहते है तो आलू की मेड के ठीक नीचे सटाकर आलू रोपनी के पाँच दिन के अंदर खुरपी से 30 सें.मी. की दूरी पर मक्का बीज की बुआई कर दें। ऐसा करने से आलू के साथ सिंचाई में भी बाधा न होगी। मक्का-आलू साथ लगाने पर मक्का के लिए पूरी खाद की मात्रा तथा आलू के लिए आधी खाद की मात्रा का प्रयोग करें। मक्का-आलू साथ लगाने

पर एक ही खेत से एक ही सीजन में कम लागत में दोनों फसल की प्राप्ति हो जाती है तथा आलू का क्षेत्रफल भी बढ़ सकता है। बचे हुए खेत में दूसरी फसल लगायी जा सकती है।

सकीना इत्तू ने श्रीनगर में एचआईवी/एड्स जागरूकता पर रेड रन 2025 को हरी झंडी दिखाई

श्रीनगर 14 अक्टूबर। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने फ़ेरशोर रोड से 5 किलोमीटर लंबी रेड रन 2025 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौड़ का उद्देश्य एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता फैलाना और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है।

नशे की समस्या और अन्य सामाजिक मुद्दों से लड़ने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला

इस दौड़ का आयोजन जम्मू और कश्मीर एड्स नियंत्रण संगठन ने कश्मीर विश्वविद्यालय के सहयोग से किया, ताकि एचआईवी/एड्स के प्रति जन-जागरूकता फैलाई जा सके और इस बीमारी से जुड़े कलंक को तोड़ा जा सके।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री सकीना ने कहा कि एचआईवी/एड्स के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और इससे जुड़े कलंक को मिटाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं और शैक्षणिक संस्थानों को स्वास्थ्य संवर्धन पहलों में शामिल करने के लिए जेकेएसीएस के प्रयासों की सराहना की।

मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवा समाज से मादक पदार्थों की बुराई को समाप्त करने के साथ-

साथ अन्य सामाजिक समस्याओं के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के जोश और उत्साह ने यह दर्शाया कि वे एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने और इससे जुड़े कलंक को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

कश्मीर विश्वविद्यालय की उपकुलपति डॉ. निलोफ़र खान और जेकेएसीएस के परियोजना निदेशक डॉ. जहांगीर बक्शी ने भी इस अवसर पर वक्तव्य दिया और युवाओं की निरंतर भागीदारी तथा समुदाय आधारित जागरूकता अभियानों की महत्ता पर प्रकाश डाला, ताकि एड्स-मुक्त जम्मू-कश्मीर की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

जन प्रतिनिधिमंडलों, विधायकों ने श्रीनगर स्थित राबता कार्यालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात की

श्रीनगर 14 अक्टूबर। विभिन्न जन प्रतिनिधिमंडलों ने श्रीनगर स्थित राबता कार्यालय में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की और उन्हें विभिन्न जन मुद्दों और विकास संबंधी चिंताओं से अवगत करवाया।

कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधिमंडलों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे, नागरिक सुविधाओं, बिजली, जलापूर्ति और सड़क संपर्क से संबंधित माँगें रखीं।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यान से सुना और आश्वासन दिया कि उनकी जायज़ माँगों की समयबद्ध तरीके से

जाँच की जाएगी और उनका समाधान किया जाएगा।

कई विधायकों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की और अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख विकासात्मक प्राथमिकताओं पर चर्चा की। उन्होंने उन्हें सेवा वितरण में सुधार और स्थानीय विकास में तेजी लाने के उद्देश्य से चल रहे कार्यों, जन शिकायतों और क्षेत्र-विशिष्ट आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सरकार जम्मू-कश्मीर में बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने और आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बारामुला में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

बारामुला 14 अक्टूबर। विभिन्न जिलों में विकास पहलों का व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन करने के लिए अपनी जिला समीक्षा बैठकों को जारी रखते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बारामुला का दौरा किया और कार्यों के निष्पादन एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में हुई प्रगति का आकलन करने हेतु उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, मंत्री सकीना इत्तू, जावेद राणा, जावेद अहमद डार और सतीश शर्मा, जिला विकास परिषद अध्यक्ष सफ़ीना बेग, बारामूला, सोपोर, पट्टन, उड़ी और वागूरा-क्रेरी के विधायक, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता सहित विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ जिला अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त बारामुला मिंगा शेरपा ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों और चल रही परियोजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में हुई प्रगति को रेखांकित किया गया। मुख्यमंत्री को जिला कैपेक्स के तहत निधियों के उपयोग में हुई प्रगति के बारे में अवगत कराया गया।

अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से 5.25 करोड़ रुपये की कुल लागत से पूर्ण कई विकास परियोजनाओं का ई-लोकार्पण किया। लोकार्पित प्रमुख परियोजनाओं में कालंटरा में 1ग6.3 एमवीए ग्राही स्टेशन (1.84 करोड़ रुपये), बरहमपोरा, रफ़ियाबाद में 33/11 केवी 1ग10 एमवीए ग्राही स्टेशन (2.73 करोड़ रुपये) और बारामुला में पोस्ट ऑफ़िस से कैरियप्पा पार्क तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे फुटपाथ का विकास (0.67 करोड़ रुपये) शामिल हैं, जिसे शहरी विकास विभाग द्वारा निष्पादित किया गया।

बैठक में निर्वाचन क्षेत्रवार विकास प्राथमिकताओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक मांगों को नोट किया गया है और उनका गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने औद्योगिक एस्टेट के लिए वैकल्पिक भूमि की पहचान करने और जीएमसी बारामुला के विस्तार को सुगम बनाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने टीआरसी सलामाबाद को पर्यटन विभाग को सौंपने की प्रक्रिया शुरू करने, द्रंग जलाशय, तंगमर्ग में मल्टी-लेवल कार पार्किंग और तंगमर्ग प्रशासनिक परिसर के निर्माण हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने वन एवं लोक निर्माण विभागों को बाबा रेशी मार्ग से गुलमर्ग के लिए वैकल्पिक सड़क विकसित करने हेतु संयुक्त अभ्यास करने के निर्देश दिए।